दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। बुधवार 24 दिसम्बर-2025 ● वर्ष: 10 अंक: 365 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य: ₹3

बांग्लादेश की आग भारत तक पहुंची

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन, नारेबाजी, पुलिस से भिड़े वीएचपी कार्यकर्ता

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात है। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने आज बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है।

विश्व हिंदू परिषद ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा और अत्याचार के विरोध में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर आज सुबह 11 बजे से शांतिपूर्ण प्रदर्शन का एलान किया था।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन उग्र हो गया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश कर रही है। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी देखने को मिली है।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर

भीड़ ने पीटकर की थी हत्या, शव को आग के हवाले किया

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता जुटकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में 27 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, दीपू चंद्र दास पर कथित तौर पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर भीड़ ने हमला किया था। आरोप है कि युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया, फिर उसके शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई। इस अमानवीय घटना ने पूरे देश में आक्रोश फैला दिया।

देशभर में बांग्लादेश के खिलाफ उबाल : बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा और हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

कोलकाता: हिंदुओं पर ममता की पुलिस ने बरसाई लाठियां

कोलकाता: विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का विरोध प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में कथित तौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में किया जा रहा था।

हालात बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए, जबकि कई को हिरासत में भी लिया गया। जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशन के पास, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ वीएचपी ने विरोध प्रदर्शन किया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस ने पहले से ही बैरिकेडिंग कर रखी थी। जैसे ही प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जो बाद में झड़प में

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने शहर विधानसभा में दिया कार्यकर्ताओं को एसआईआर का मंत्र, कहा-

बीएलओ अगर सहयोग न करें तो अधिकारियों को बताएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग मंगलवार को अपनी विधानसभा यानी जिस विधानसभा से वो दो बार विधायक रहे हैं, उस विधानसभा में वो कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान का मूल मंत्र देकर गये। अतुल गर्ग अब लोकसभा सांसद हैं और वो विधायक भी रहे हैं लेकिन राजनीति की इन सब पदवी के बाजवूद उनकी कुशलता का एक पद वो भी है और वो सियासी चक्रव्यूह के माहिर माने जाते हैं। वो ये जानते हैं कि कौन सा चक्रव्यूह कैसे भेदना है। मंगलवार को लोकसभा सांसद अतुल गर्ग शहर विधानसभा में कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान की सफलता का मंत्र देकर गये। अतुल गर्ग ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली और उन्होंने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि अभियान की गति कम है। लेकिन उन्होंने कहा कि इस स्थिति से पार पाने के लिए हमें किसी पर भी दोषारोपण करने से बचना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए तीन शब्द मूल मंत्र हैं जिसमें कर्मठता, समन्वय और सहयोग हैं। यहां पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा कि सहयोग के अलावा अगर बीएलओ सहयोग नहीं कर रहा तो इसकी भी शिकायत तत्काल प्रभाव से करनी है। लोकसभा सांसद

अतुल गर्ग ने एसआईआर अभियान की समीक्षा की और कार्यकर्ताओं को ये समझाया कि बीएलओ और बीएलए एक दूसरे के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे। बूथ लेवल अधिकारी की ये जिम्मेदारी है कि वो वोट बनाये, वो घर घर जाये और जानकारी जुटाये। फिर इस जानकारी को वो उचित चैनल के माध्यम से दर्ज कराये। लेकिन इतने भर से काम नहीं चलेगा और हमारे कार्यकर्ताओं को बीएलओ के साथ सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि वोट बनाने का काम बीएलओ का ही है लेकिन कार्यकर्ताओं का काम बीएलओ को सहयोग करने का है। राजनीतिक दल के कार्यकर्ता होने के नाते, समाजिक रूप से क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक संरचना का ज्ञान रखने वाले कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान में इसीलिए लगाया गया है कि बीएलओ को कोई परेशानी ना हो। वो भौगोलिक संरचना से उतना परिचित नहीं होते हैं और ऐसे में भाजपा कार्यकर्ता उनका सहयोग करते हैं। लेकिन यहां पर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कार्यकर्ताओं को ये भी कहा कि आपका दायित्व है कि आप बीएलओ को सहयोग करें। लेकिन अगर बीएलओ काम ना करे और वो चुनाव आयोग के काम अगर असहयोग के अंदाज में दिखाई दे तो कार्यकर्ता इस बात को बिल्कुल भी नजरअंदाज ना करें। अभियान में काम ना करने वाले बीएलओ की शिकायत तत्काल प्रभाव से करें। उन्होंने कहा कि अभियान में शिथिलता और लापरवाही बरत रहे बीएलओ की शिकायत की जा सकती है। कार्यकर्ताओं के पास पर्याप्त साक्ष्य होने चाहिए। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने विधानसभा में कार्यकर्ताओं को एसआईआर मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि बूथ का हर कार्यकर्ता इस बात का ध्यान रखे कि जो मतदाता बूथ पर निवास कर रहे हैं उनकी पूरी जानकारी एसआईआर के फार्म में होनी चाहिए। कार्यकर्ता इस बात में भी सहयोग करें कि जो भी मतदाता फार्म ले जाने के बाद उसे भर कर वापस नहीं कर रहे हैं उन घरों में जाकर वो मतदाताओं की फार्म भरने में मदद करें और फिर बीएलओ को सूचित करें कि वह उन फार्मों को घरों से एकत्र कर लें। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि सहयोग और समन्वय से एसआईआर अभियान की सफलता को सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का एक ऐसा दायित्व है जो राजनीतिक दलों से लेकर सरकारी तंत्र को पूरा करना है। यह कोई राजनीतिक कार्य नहीं है यह लोकतंत्र का कार्य है और इसे एक सहयोग वाले अंदाज के साथ पूरी कर्मठता के साथ करना होगा। उन्होंने कहा कि जब हर बूथ पर हमारा कार्यकर्ता एसआईआर अभियान पर फोकस करेगा तो हमारी लोकसभा यानी गाजियाबाद जिले का ग्राफ अपने आप ही बढ़ जायेगा।

आरटीई प्रवेश को लेकर अलर्ट, गाजियाबाद में 12 हजार से अधिक सीटें उपलब्ध

ऑनलाइन पोर्टल शीघ्र खुलेगा, पात्र अभिभावक रखें दस्तावेज तैयार

खबर काम की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनपद गाजियाबाद में आरटीई (राइट टू एजूकेशन) अधिनियम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होने जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल जल्द ही सक्रिय किया जाएगा।

जिले में 12 हजार से अधिक आरटीई सीटें उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हर वर्ष लगभग 50 प्रतिशत सीटें खाली रह जाती हैं। कई अभिभावक मनपसंद विद्यालय न मिलने के कारण आवेदन अधूरा छोड़ देते हैं, जबकि आरटीई का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

पात्रता के अनुसार 3 से 6 वर्ष (प्री-प्राइमरी) और 6 से 7 वर्ष (कक्षा 1) आयु वर्ग के बच्चे आवेदन कर सकते हैं। पारिवारिक वार्षिक आय 1 लाख रुपये से कम या अधिनियम के अंतर्गत वंचित वर्ग होना अनिवार्य है।

आवेदन rte25.upsdc.gov.in पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे। प्रशासन और सामाजिक संगठनों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद परिवारों को आरटीई प्रवेश की जानकारी दें, ताकि कोई भी सीट खाली न रहे और किसी बच्चे का भविष्य न छूटे।

पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, गैंगस्टर मामले में कोर्ट ने किया बरी

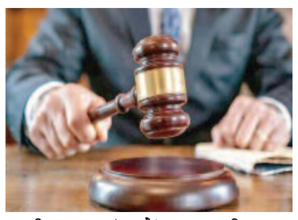

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को गज्जी भाटी हत्याकांड में एक बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें इस केस में लगाये गये गैंगेस्टर के आरोपों से बरी किया है।

पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को गज्जी भाटी केस में आरोपी बनाया गया था। वर्ष 2017 में यह मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा पर रासुका और 120बी का मुकदमा दर्ज हुआ था। उन पर उस समय गैंगेस्टर भी लगाईगई थी। पूर्व विधायक पर लगायी गई एनएसए तो हट गई थी और गैंगेस्टर का मुकदमा चल रहा था।

मंगलवार को एक बड़ी राहत पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा के लिए आई। गैंगेस्टर मामले की सुनवाई कर कर रही एक अदालत ने पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को गैंगेस्टर के सभी आरोपों से बरी किया। ये सुनवाई कोर्ट संख्या 5 में हुई। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा पर जो गैंगेस्टर की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ था उसकी जांच 4 आईओ कर रहे थे। इस मामले में पुलिस जांच में आईओ कोई भी ऐसा साक्ष्य नहीं जुटा पाये जिससे पूर्व विधायक के खिलाफ कोई सबूत मांगा जा सके।

इस मामले में कोई भी साक्ष्य नहीं मिला और इसी आधार पर कोर्ट ने पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को गैंगेस्टर के आरोपों से बरी कर दिया। गैंगेस्टर के इस मामले में अमरपाल शर्मा की ओर में अधिवक्ता सुधीर त्यागी और नवीन त्यागी ने पैरवी की थी। यह जानकारी पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा ने कोर्ट का फैसला आने के बाद दी।

ड्रोन से दिखेगा जाम का सच, गाजियाबाद होगा डी-कंजेस्टेड

शहर की सांसें खोलने उतरी नगर निगम की टीम, ट्रैफिक और प्रदूषण पर एक साथ वार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर को जाम के दुष्चक्र से बाहर निकालने के लिए नगर निगम ने अब निर्णायक और तकनीक-आधारित रणनीति अपनाई है। लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और उससे बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए नगर निगम ने डी-कंजेशन अभियान को तेज कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में उन प्रमुख चौराहों और मार्गों को चिन्हित किया गया है, जहां रोजाना जाम आमजन के लिए सबसे बड़ी परेशानी बन चुका है। खास बात यह है कि अब समाधान अनुमान पर नहीं, बल्कि ड्रोन सर्वे की सटीक रिपोर्ट पर आधारित होगा। नगर आयुक्त का मानना है कि वायु गुणवत्ता सुधार सिर्फ सड़कों पर पानी के छिड़काव या धूल नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रैफिक जाम खत्म करना भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के तहत पहले चरण में शहर के पांच प्रमुख जामग्रस्त स्थलों पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

ड्रोन सर्वे खोलेगा जाम की असली वजह

जाम में फंसे वाहनों से निकलने वाला धुआं सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है

प्रथम चरण में इन स्थलों पर कार्यवाही

- मालीवाडा चौक (सिटी जोन)
- काला पत्थर मार्ग (इंदिरापुरम)
- सीआईएसएफ चौक (इंदिरापुरम)
- चौधरी मोड़ (सिटी जोन)
- नागद्वार, मोहन नगर जोन

इनमें से मालीवाडा चौक और काला पत्थर रोड पर सबसे पहले ड्रोन सर्वे कराया जाएगा। दोनों स्थानों के 500 मीटर के दायरे में ड्रोन के माध्यम से जाम की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा।

ड्रोन सर्वे से खुलेगी जाम की असली वजह

ड्रोन सर्वे के जरिए सड़क की चौड़ाई, अवैध कट, गलत यू-टर्न, अतिक्रमण, रेहड़ी-पटरी की स्थिति और ट्रैफिक मूवमेंट की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। इसी डेटा के आधार पर यह तय किया जाएगा कि—
- कहां नए यू-टर्न की जरूरत है।
- कहां कट बंद किए जाएं।
- कहां अतिक्रमण हटाया जाए।
- कहां ट्रैफिक फ्लो में बदलाव जरूरी है।

जाम घटेगा तो प्रदूषण से मिलेगी राहत

नगर आयुक्त के अनुसार, जाम में फंसे वाहनों से निकलने वाला धुआं शहर की हवा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। डी-कंजेशन से—
- वाहनों का स्टॉप-स्टार्ट कम होगा।
- ईंधन की खपत घटेगी।
- वायु प्रदूषण में कमी आएगी।
- आमजन को समय और राहत दोनों मिलेगी।

आयुक्त ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

डी-कंजेशन की कार्यवाही को गति देने के लिए नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में चिन्हित स्थलों का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ड्रोन सर्वे कराने का निर्णय लिया गया। आगामी सप्ताह में दो प्रमुख स्थलों पर ड्रोन सर्वे शुरू होगा और सफलता के बाद अन्य तीन स्थानों को भी इस अभियान में शामिल किया जाएगा। बैठक के दौरान एयर पॉल्यूशन एक्शन ग्रुप से पीयूष खत्री और ऋषभ भी उपस्थित रहे। नगर निगम द्वारा शहर को जाम मुक्त बनाने की यह पहल जनहित में एक ठोस और दूरगामी कदम मानी जा रही है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में भी स्पष्ट सुधार की उम्मीद है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या पर भारत में उबाल

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन, नारेबाजी, पुलिस से भिड़े वीएचपी कार्यकर्ता

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात है। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने आज बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है।

विश्व हिंदू परिषद ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा और अत्याचार के विरोध में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर आज सुबह 11 बजे से शांतिपूर्ण प्रदर्शन का एलान किया था।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन उग्र हो गया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश कर रही है। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी देखने को मिली है।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता जुटकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में 27 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

> **भीड़ ने पीटकर की थी हत्या, शव को आग के हवाले किया**

जानकारी के अनुसार, दीपू चंद्र दास पर कथित तौर पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर भीड़ ने हमला किया था। आरोप है कि युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया, फिर उसके शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई। इस अमानवीय घटना ने पूरे देश में आक्रोश फैला दिया।

देशभर में बांग्लादेश के खिलाफ उबाल : बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा और हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग के खिलाफ देशभर में गुस्सा और नाराजगी है। यही वजह है कि दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, सूरत, पटना समेत देश के कई शहरों में लोग बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंक रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को समन भेजा है। यह समन नई दिल्ली में बांग्लादेशी उच्चायोग के बाहर कथित विरोध प्रदर्शन को लेकर जारी किया गया है।

कोलकाता से दिल्ली तक प्रदर्शन, ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब

नई दिल्ली। भारत में बांग्लादेशी दूतावासों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय तलब किया है। इस दौरान ढाका ने भारत से अपने राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा मजबूत करने का अनुरोध किया है।

भारत में बांग्लादेशी दूतावासों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को मंगलवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। राजनयिक सूत्रों ने इस मामले की पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली और कोलकाता सहित भारत के कई हिस्सों में स्थित बांग्लादेशी मिशनों के आसपास उभरती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर वर्मा को बुलाया गया था।

सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को बांग्लादेश के विदेश सचिव असद आलम सियाम ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को विदेश मंत्रालय बुलाया। यह बैठक भारत के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर नई दिल्ली और कोलकाता में स्थित बांग्लादेशी मिशनों की सुरक्षा को लेकर बुलाई गई थी। इस दौरान बांग्लादेश सरकार ने भारत से अपने मिशनों और राजनयिकों की सुरक्षा मजबूत करने का अनुरोध किया है।

पिछले 10 दिनों में यह दूसरी बार है जब प्रणय वर्मा को तलब किया गया है। इससे पहले 14 दिसंबर को उन्हें 'इंकलाब मंच' के संयोजक शरीफ उस्मान हादी पर हमला करने वाले आरोपियों को पकड़ने में सहयोग के लिए बुलाया गया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कार्यकाल में भारतीय राजदूत को अब तक छह बार तलब किया जा चुका है।

बरेली में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन

बरेली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकताओं ने मंगलवार को बरेली के डीडीपुरम बलिदान चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मोहम्मद युनुस के खिलाफ आक्रोश जताया और पुतला दहन किया। हिंदुओं पर अत्याचार नहीं सहेंगे... नहीं सहेंगे, आदि नारे लगाए गए। विभाग संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह सोम ने कहा कि बांग्लादेश में जब से मोहम्मद युनुस के हाथ में सत्ता आई है, तबसे योजनाबद्ध तरीके से, सरकार के संरक्षण में लगातार हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। बजरंग दल हिंदुओं पर अत्याचारों को किसी भी हाल में सहन नहीं करेगा।

महानगर मंत्री संजय शुक्ला ने कहा कि उन्मादी जिहादी भीड़ कभी भी किसी देश का भला नहीं कर सकती। इस भीड़ ने तीन मासूम बच्चियों को भी नहीं छोड़ा उन्हें जिंदा जला दिया, यदि इस उन्मादी भीड़ का इलाज बंगलादेश सरकार ने नहीं किया तो पूरा देश निश्चित ही बर्बाद हो जाएगा। बांग्लादेश सरकार हिंदुओं को कमजोर समझने का प्रयास न करें। महानगर संयोजक बजरंग दल केवलानंद गौड़ ने कहा कि बजरंग दल का प्रत्येक कार्यकर्ता हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, अकेला बजरंग दल ही समूचे बांग्लादेश को निगलने के लिए पर्याप्त है।

कोलकाताः वीएचपी का प्रदर्शन पुलिस ने किया बर्बर लाठीचार्ज

कोलकाताः विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का विरोध प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में कथित तौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में किया जा रहा था। हालात बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए, जबकि कई को हिरासत में भी लिया गया। जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशन के पास, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ वीएचपी ने विरोध प्रदर्शन किया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस ने पहले से ही बैरिकेडिंग कर रखी थी।

जैसे ही प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जो बाद में झड़प में बदल गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन की अनुमति सीमित क्षेत्र तक ही थी, लेकिन प्रदर्शनकारी तय मार्ग से आगे बढ़ने पर अड़े रहे। स्थिति को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं, जिन्हें मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। कुछ घायलों को अस्पताल भी ले जाया गया है।

वीएचपी ने लगाया ये आरोप : वहीं, वीएचपी कार्यकताओं ने पुलिस कार्रवाई को अनुचित बताया और आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बल प्रयोग किया गया। संगठन का कहना है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाना उनका अधिकार है और पुलिस ने उनकी मांगों को दबाने की कोशिश की।

बरेली में बीडीए की बड़ी कार्रवाई

मौलाना तौकीर के करीबी वाजिद बेग के बरातघर पर चला बुलडोजर

पुलिस बल की सक्रियता से विरोध प्रदर्शन काम नहीं आया

बरेली। बरेली में 26 सितंबर को शहर में बवाल कराने के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी प्रॉपर्टी डीलर वाहिद बेग के बरातघर पर भी मंगलवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बुलडोजर चलाया। सुबह 11:30 से बीडीए की पोकलेन मशीन और दो बुलडोजर बरातघर को जमींदोज करने में जुट गए। कार्रवाई शुरू होने के दौरान कुछ महिलाओं में विरोध जरूर किया था, लेकिन पुलिस बल की सक्रियता से उनका विरोध प्रदर्शन काम नहीं आया और बीडीए ने तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के फरीदापुर चौधरी गांव में स्थित वाहिद बेग के बरातघर को ध्वस्त करने की कार्रवाई का कारण बीडीए मानचित्र स्वीकृत न होना बता रहा है। बरातघर को जमींदोज करने के लिए जिला प्रशासन ने मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में रामजन्म यादव को तैनात कर रखा है। साथ में एटीएम सिटी सौरभ दुबे भी मौजूद हैं। यहां पुलिस फोर्स का नेतृत्व एसपी सिटी मानुष पारीक कर रहे हैं। जबकि बीडीए की तरफ से संयुक्त सचिव दीपक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर हैं।

सुनवाई के अवसर को वाहिद ने की अनदेखी : बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर वाजिद वेग ने ग्राम फरीदापुर चौधरी, सिकलापुर रोड पर लगभग 400 वर्ग मीटर में बाउंड्री कवर करते हुए बरातघर का निर्माण कर रखा है। स्थल पर कोई स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया गया। इस मामले में वाहिद बेग को छह अक्तूबर को नोटिस भी जारी किया गया था। इसी दिन बरातघर को सील किया गया था।

नोटिस पर सुनवाई के लिए 18 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की गई थी, लेकिन प्रॉपर्टी डीलर पेश नहीं हुआ। फिर 11 नवंबर को वाहिद बेग की तरफ से उनके भाई आविद वेग हाजिर हुए थे और सील खोलने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर शासन में दायर पुनरीक्षणवाद वाजिद वेग बनाम बीडीए में विशेष सचिव के स्तर से चार नवंबर को जारी आदेश की प्रति प्रस्तुत की गई थी।

> **वाजिद बेग के बरातघर में रची गई थी साजिश**

बीडीए के संयुक्त सचिव ने बताया कि वाहिद बेग के भाई की तरफ से प्रस्तुत की गई विशेष सचिव के आदेश के प्रति में निर्देश दिए गए थे कि पुनरीक्षणकर्ता को सुनवाई का अवसर प्रदान कर उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन्स 2025 के आलोक में प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें। जिसके क्रम में संपूर्ण कार्रवाई के बाद अब वाहिद बेग के बरातघर को ध्वस्त किया जा रहा है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि बीडीए द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाने रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अखलाक लिंचिंग केस में यूपी सरकार को बड़ा झटका, केस वापस लेने की अर्जी कोर्ट से खारिज

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के बहुचर्चित बिसाहाड़ा अखलाक लिंचिंग केस में अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया है। सूरजपुर स्थित जिला अदालत ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लेने से जुड़ी शासन की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले से मामले में आरोपियों को राहत दिलाने की कोशिशों पर पूरी तरह विराम लग गया है। यूपी सरकार की तरफ से दाखिल की गई याचिका पर आज अदालत में सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने केस वापस लेने का पक्ष रखा, लेकिन अदालत ने दलीलों को संतोषजनक नहीं माना। कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि केस वापसी के लिए लगाई गई अर्जी में कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है।

अदालत ने अभियोजन की याचिका को आधारहीन और महत्वहीन मानते हुए खारिज कर दिया। इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ चल रही न्यायिक प्रक्रिया जारी रहेगी और मुकदमे की सुनवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गौरतलब है कि बिसाहाड़ा अखलाक हत्याकांड देशभर में लंबे समय तक सुर्खियों में रहा था। इस मामले को लेकर सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी काफी बहस हुई थी। लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के बीच सरकार द्वारा केस वापस लेने की कोशिश को अदालत ने अस्वीकार कर दिया है।

28 सितंबर 2015 की रात करीब 10 बजे उत्तर प्रदेश के दादरी के पास बिसाहड़ा गांव में मोहम्मद अखलाक के घर के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। आरोप लगाया गया कि गांव में कुछ दिन पहले गाय का बछड़ा गायब हुआ था और अखलाक के परिवार ने उसे काटकर उसका मांस खाया है। इसी आरोप को लेकर भीड़ ने हंगामा किया, जिसके बाद स्थिति तेजी से तनावपूर्ण हो गई। इसी आरोप के साथ भीड़ ने पीट-पीट कर अखलाक की हत्या कर दी।

अखलाक की हत्या मामले में कुल 19 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें स्थानीय बीजेपी नेता के बेटे विशाल राणा और उसके सगा शिवम जैसे मुख्य आरोपी शामिल थे। पुलिस ने उन्हें हत्या, दंगा और धमकी समेत कई आरोपों के तहत नामजद किया था। अखलाक की मौत के मामले में एफआईआर में यह सभी आरोपी थे और कोर्ट में केस की लगातार सुनवाई चल रही थी। इस साल अक्टूबर 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए ट्रायल कोर्ट में आवेदन दायर किया था, जो 18 दिसंबर को सुनवाई के लिए तय किया गया।

उपहार

गाजियाबाद करंट क्राइम। सर्द मौसम में मानवता की ऊष्मा और स्नेह का ताप का एहसास सुल्लामल रामलीला कमेटी ने कराया। पहली बार ऐसा हुआ कि जब कमेटी की ओर से रामलीला के समस्त कर्मचारियों को सर्दी के मौसम में एक कंबल, एक जैकेट, एक जोड़ी जूते, एक जोड़ी गर्म जुराब, एक जोड़ी गर्म दस्ताने, एक गर्म टोपी उपहार स्वरूप वितरित किये गये। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल, महामंत्री नरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू, लेखापरीक्षक रविन्द्र मित्तल और विपिन मोहन गर्ग साबुन वाले विशेष रूप से मौजूद थे। कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू ने कहा कि यह एक प्रयास अपने सहयोगियों को सर्दी से राहत देने का है। उन्होंने कहा कि श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारी, सदस्य, कर्मचार आपस में एक परिवार हैं। हम इस परिवार के चुने हुए अभिभावक हैं और ऐसे में यह हमारा दायित्व है कि हम अपने परिवार के हर सदस्य के सम्मान, सुरक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। कमेटी की ओर से सभी कर्मचारियों को यह भेंट सप्रेम उपहार स्वरूप दी गई है।

दिल्ली में सांसों का 'आपातकाल' खतरनाक स्तर पर पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। राजधानी में स्थानीय कारकों के चलते प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हवा की गति धीमी होने के चलते लगातार सात दिन हवा बेहद खराब श्रेणी में रहने के बाद आज गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। सुबह की शुरूआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई। आसमान में स्मॉग की घनी चादर दिखाई दी। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, मंगलवार सुबह राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 413 दर्ज किया गया है।। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है।। यह हवा की गंभीर श्रेणी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह सात बजे के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 408, आनंद विहार में एक्यूआई 466, अशोक विहार में 444, आया नगर में 367, बवाना में 427, बुराड़ी में 390, चांदनी चौक इलाके में 425 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

वहीं, डीटीयू में 420, द्वारका सेक्टर 8 इलाके में 440, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 इलाके में 379, आईटीओ में 436, जहांगीरपुरी में 447, लोधी रोड 368, मुंडका 451, नजफगढ़ में 385, पंजाबी बाग में 440, आरकेपुरम 443, रोहिणी 434, सोनिया विहार 413, विवेक विहार 446, वजीरपुर में 440 दर्ज किया गया है।

उन्नाव रेप मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा पर रोक

नई दिल्लीः दिल्ली हाईकोर्ट ने 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को निलंबित कर दिया है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि सेंगर दिल्ली में उस जगह के 5 किलोमीटर के दायरे में नहीं जाएंगे, जहां पीड़िता रहती है। हाईकोर्ट ने उसे 15 लाख रुपये का बॉन्ड भरने का निर्देश दिया है।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अध्यक्षता वाली बेंच ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका के लंबित रहने के दौरान सजा को निलंबित रखने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत के दौरान दिल्ली में ही रहने और पीड़िता के निवास से पांच किलोमीटर दूर रहने का आदेश दिया है। सेंगर ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जो अभी लंबित है।

ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौतीः बता दें कि 16 दिसंबर 2019 को तीस हजारी कोर्ट ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में हत्या के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दस साल की कैद की सजा सुनाई थी। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर पर दस लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर समेत सभी सातों आरोपियों को भी दस-दस साल की कैद और दस-दस लाख के जुमार्ने की सजा सुनाई थी।

रेप पीड़िता के पिता की हत्या का आरोपः रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में 9 अप्रैल 2018 को मौत हो गई थी। रेप पीड़िता ने जब आरोप लगाया था, उसके बाद कुलदीप के भाई अतुल सिंह ने पीड़िता के पिता को बुरी तरह पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था।

'लाल आतंक' का सरेंडरः ओडिशा में सीजी के 22 नक्सलियों ने डाले हथियार

1.84 करोड़ के इनामी; एके-47 जैसे हथियार सौंपे

रायपुर। नक्सल मामलों को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ के 22 नक्सलियों ने ओडिशा पुलिस के सामने सरेंडर किया है। एक-47, इंसास समेत कुल नौ हथियारों के साथ सरेंडर करने सभी नक्सली पहुंचे थे। इन नक्सलियों पर एक करोड़ 84 लाख 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

ये नक्सली कई हिंसक घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। बताया जाता है कि ये सभी नक्सली बस्तर संभाग में कई अपराधिक घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। इन पर पुलिस ने कई धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया था।

छत्तीसगढ़ में नक्सली एक के बाद एक करके सरेंडर कर रहे हैं। राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी नक्सलियों से आग्रह कर चुके हैं कि वो मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। ऐसा नहीं करने पर पुलिस नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ समेत देश को नक्सलमुक्त घोषित करने का संकल्प लिया है। इस क्रम ने नक्सलियों का लगातार एकाउंटर किया जा रहा है।

दैनिक करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

 ● नई दिल्ली। बुधवार 24 दिसम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

फिर हुए नगर निगम की लापरवाही को लेकर पूर्व मेयर अशु वर्मा नाराज

बोले, नगर निगम को नहीं है महापुरुषों के सम्मान का ख्याल

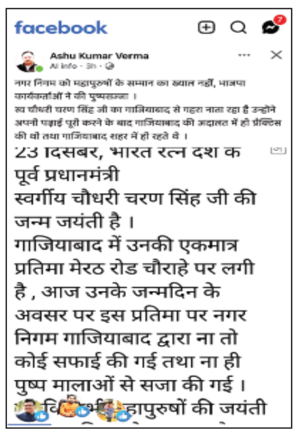

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व मेयर अशु वर्मा अक्सर धर्म से लेकर हिंदुत्व और सामयिक मुद्दों पर सोशल मीडिया पर मुखर होकर आते हैं। हाल ही में पूर्व मेयर अशु वर्मा ने हाउस टैक्स को लेकर मौजूदा मेयर को लैटर लिखा और उनसे पूछ लिया था कि हमें किसका आदेश मानना है। हम मौजूदा मेयर की बात को सही मानें या नगर निगम के अधिकारी की बात को माने। निगम की एक और अव्यवस्था को लेकर पूर्व मेयर अशु वर्मा फिर से सामने आये। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती पर जो कुछ उनकी प्रतिमा के पास देखा, उसे लेकर उनकी नाराजगी उनके शब्दों में बाहर आ गई। दरअसल 23 दिसम्बर को भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती पर उनकी प्रतिमा पर नगर निगम गाजियाबाद द्वारा ना तो कोई सफाई की गई और ना ही पुष्प मालाओं से उन्हें सजाया गया। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने इस स्थिति को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए लिखा कि नगर निगम को महापुरुषों के सम्मान का ख्याल नहीं है। उन्होंने लिखा कि गाजियाबाद में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की एक मात्र प्रतिमा मेरठ रोड चौराहे पर लगी है। उनके जन्मदिन के अवसर पर इस प्रतिमा पर नगर निगम गाजियाबाद द्वारा ना तो कोई सफाई की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम को महापुरुषों के सम्मान का ख्याल ही नहीं है। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह का गाजियाबाद से गहरा नाता रहा है। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद गाजियाबाद की अदालत में ही प्रेक्टिस की और वो गाजियाबाद शहर में ही रहते थे। उन्होंने कहा कि नगर निगम ना सफाई की ना फूल मालाओं की सज्जा की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ही यहां पुष्प सज्जा की। पूर्व मेयर अशु वर्मा नगर निगम की इस अव्यवस्था को लेकर नाराज हुए।

जब भरी मीटिंग में टकराये दो ठाकुर चेहरे

सोलंकी जी ने पूछ लिया भाटी जी अटल चौक का क्या रहा

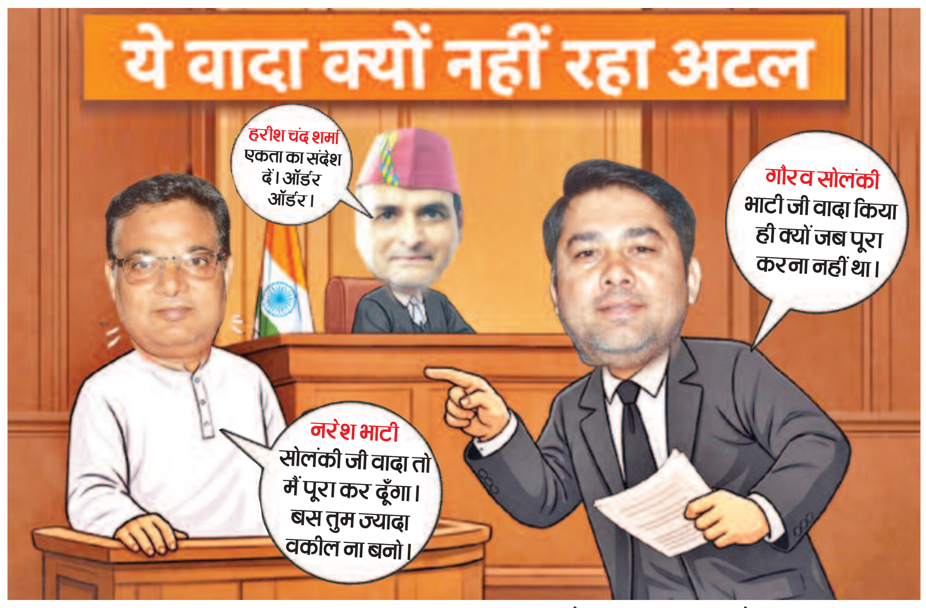

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में सवाल उठने लाजमी हैं और सवाल जब अपने ही उठा दें और जवाब भी अपनों को देना हो तो सब इसका जिक्र करते हैं। नदिया पार की राजनीति में सीन ऐसा हो गया कि यहां के ठाकुर चेहरे ने ही यहां के ठाकुर चेहरे से सवाल पूछ लिया।

सवाल उठाने वाले ठाकुर सवाल पूछने वाले ठाकुर और सवाल का जो चेहरा है वो बुध है वो अटल हैं लेकिन सवाल तो पार्षदों के पटल पर है। दरअसल ये मामला पुराना है और इस मामले से जुड़े एक वादे को पार्षद गौरव सोलंकी ने उठा दिया।

भाजपा की बैठक चल रही थी और इस बैठक में पार्षद सोलंकी ने पूछ लिया कि भाटी जी बुध चौक का लैंटर तो डल गया। लेकिन अटल चौक का क्या रहा। बुध चौक की बात आई तो यहां बताया गया कि वहां लैंटर हमने नहीं डलवाया है। वहां तो नगर निगम लैंटर डलवा रहा है। यहां सोलंकी ठाकुर का सवाल फिर भी वही रहा कि अगर नगर निगम वहां लैंटर डलवा रहा है तो फिर अटल चौक का क्या रहा। ये सवाल दरअसल पार्षद गौरव सोलंकी ने किसी को ऊंचा या नीचा दिखाने के लिए नहीं पूछा था। इस सवाल का अपना सियासी महत्व है और वो ये है कि 25 दिसम्बर को भाजपा भारत के पूर्व प्रधामनंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित करेगी।

ऐसे में जब कार्यक्रम आयोजित होंगे तो उस चौक का भी जिक्र जरूर होगा जिसकी फिक्र अभी नहीं की जा रही है। वसुंधरा का यह चौक अटल चौक कहलाता है। ये कमाल भी है कि सरकार भाजपा की होने के बाजवूद यहां अटल बिहारी की प्रतिमा स्थापित नहीं हो पा रही है। सवाल इसलिए भी था कि नरेश भाटी ने चुनाव के दौरान ये वादा किया था कि वो अटल चौक का सौन्दर्यीकरण करायेंगे, मूर्ति की स्थापना करायेंगे।

इस मामले में नरेश भाटी भी फेयर हैं। बताया ये भी जाता है कि यहां पर पहले महेन्द्र चौधरी निर्माण करा रहे थे और इसमें सबसे बड़ा रोड़ा ही भाजपा के एक मंडल महामंत्री ने अटका दिया है। उन्होंने ये ऐलान किया था कि कि यदि महेन्द्र चौधरी इसका निर्माण करायेंगे तो मैं धरना दूंगा। जबकि उसी दौरान नरेश भाटी ने कहा था कि मैं यहां अटल चौक का निर्माण कराऊंगा और मूर्ति की स्थापना कराऊंगा। लेकिन ये वादा पूरा नहीं हुआ। भरी महफिल में गौरव सोलंकी ने नरेश भाटी को उनका वादा याद दिलाया और कहा कि बुध चौक पर तो लैंटर डल भी गया तो फिर ऐसी कौन सी बाधा है जो यहां काम आधा भी नहीं हुआ। बताते हैं कि सोलंकी पार्षद के सवाल ने भाटी पार्षद ने खुद को साईलेंट मोड पर कर लिया।

पुलिसकर्मियों की आर्थिक मजबूती पर फोकस निवेश और वित्त प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण

गाजियाबाद। पुलिसकर्मियों को आर्थिक रूप से सक्षम और जागरूक बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपनिरीक्षकों को निवेश एवं वित्त प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, सिहानी गेट में आयोजित हुआ, जिसमें नव-नियुक्त उपनिरीक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को आर्थिक निर्णय लेने में सक्षम बनाना तथा भविष्य की वित्तीय योजनाओं के प्रति सजग करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने वित्तीय प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। इसमें सुरक्षित निवेश, बचत योजनाएं, बैंकिंग सेवाएं, डिजिटल लेन-देन, बीमा, पेंशन योजनाएं तथा भविष्य की आर्थिक योजना जैसे विषय शामिल रहे।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि नियमित आय के साथ संतुलित निवेश किस प्रकार किया जाए, जिससे भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सके। साथ ही वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विशेषज्ञों ने सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से दिए, जिससे विषय को समझना और भी सहज हो गया।

इस अवसर पर विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस के उच्चाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिसकर्मियों के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन को सुदृढ़ बनाने में सहायक होते हैं। आर्थिक सशक्तिकरण से न केवल जीवन स्तर बेहतर होता है, बल्कि कार्यकुशलता में भी वृद्धि होती है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा पुलिसकर्मियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

नमो भारत के कोच में अश्लील कृत्य के मामले में रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नमो भारत के कोच में अश्लील कृत्य के मामले में पुलिस ने युवक और अज्ञात लड़की के नाम संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नमो भारत से संलग्न सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी की तहरीर पुलिस ने कार्रवाई की है। जोड़े द्वारा किए गए कृत्य के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत करने वाले छात्र-छात्रा मेरठ रोड स्थित अलग-अलग शिक्षण संस्थाओं में पढ़ते हैं। छात्रा दुहाई और छात्र राजनगर एक्सटेंशन स्थित शिक्षण संस्था का है। छात्रा ने जो ड्रेस पहनी है, उस पर शिक्षण संस्था का लोगो भी बना हुआ है। उसके गले में पड़े आइडी कार्ड से भी शिक्षण संस्था की पहचान हो रही है।

वीडियो वायरल करने के आरोप में नमो भारत ट्रेन के कर्मचारी को निष्कासित कर दिया गया। उसपर आरोप है कि उच्चाधिकारियों को सूचना देने की बजाय उसने वीडियो वायरल की। इस बारे में एनसीआरटीसी के सीपीआरओ पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत में इस तरह की घटना रोकने के लिए जागरूकता अभियान के अलावा सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की जाएगी। जिस कर्मचारी ने यह वीडियो वायरल की, उसको निष्कासित कर दिया गया है।

वीडियो वायरल करने वाले की नौकरी गई

यूपी के दुहाई से मुरादनगर के बीच नमो भारत के कोच में अश्लील कृत्य करने वाले जोड़े समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। अश्लील कृत्य के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले ऑपरेटर को बर्खास्त किया गया। दोनों के कृत्य से सार्वजनिक परिवहन के तौर पर नमो भारत की छवि धूमिल हुई है। वहीं वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में अश्लील कृत्य करने वाले युवक युवती के प्रति रोष व्याप्त है।

महामंत्री के पद पर एक विधायक का कमिटमेंट बना सुर्खियां

बिरादरी वाले के सीने में उठ रहा है दर्द विधायक जी क्यों बने हैं इतने हमदर्द

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ताजपोशी का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। राष्ट्र वाले मुखिया का नाम घोषित हो गया और प्रदेश वाले मुखिया भी आ गये। अब महानगर की टीम घोषित होनी है। जिले की टीमें घोषित होनी है। इसके बाद मोर्चो में भी समायोजन होगा। मैन टीम में आने के लिए हर कोई अपने अपने पासे खेल रहा है। कोई ध्वज प्रणाम वालों के पास जा रहा है तो कोई लोकसभा वालों के दरवाजे गया है। किसी ने विधानसभा वालों की कुंडी खटखटाई है तो किसी ने लखनऊ और दिल्ली की रेस लगाई है। सबको पता है कि संगठन में सबसे अधिक जोर ही महामंत्री वाली कुर्सी के लिए लग रहा है। सबको लग रहा है कि उनका नंबर आ सकता है और हमदर्द वाली कहानी में एक विधायक जी भी है। सूत्र बताते हैं कि ये विधायक अपने कमिटमेंट के पक्के कहे जाते हैं।

कहा तो यहां तक जाता है कि अगर विधायक जी ने अपने किसी भी साथी से कमिटमेंट कर लिया तो फिर ये खुद की भी नहीं सुनते। बड़ी बात ये बताई जाती है कि विधायक जी जिसके साथ रहते हैं तो दिल से रहते है। एक बार वादा कर लें तो फिर कुछ भी हो जाये अपने वादे से मुकरते नहीं है। विधायक जी का ये अंदाज उनके समर्थकों को इतना भाता है कि वो समर्थकों के हमेशा दिल पर राज करते हैं। सुना है कि अब उन्होंने अपनी बिरादरी के ब्रदर से कमिटमेंट कर लिया।

बताया ये भी जाता है कि जिस ब्रदर से कमिटमेंट किया है वो भी विधायक जी के लिए पूरी तरह कमिटिड रहता है। अब विधायक जी के इस कमिटमेंट को लेकर संगठन में बैठे बिरादरी के एक दूसरे ब्रदर को बोदरेशन हो गई है। सूत्र बताते हैं कि बिरादरी के दूसरे चेहरे को ये समझ नहीं आ रहा और वो इस दुविधा में है कि आखिर विधायक जी को बिरादरी के इस ब्रदर में ऐसी क्या खूबी दिख गई कि उन्होंने इसके लिए कमिटमेंट कर लिया। सुना है संगठन वाले दूसरे ब्रदर ने किसी अदर प्लेस पर ये भी कहा कि हमें तो यही समझ में नहीं आया आखिर हममे ऐसी क्या कमी थी जो विधायक जी हमें लेकर कमिटमेंट नहीं हुए। अब पार्टी के ही दूसरे देवतुल्य ने कहा कि ऐसा है कि विधायक जी दिल के राजा हैं और उनका अपना मूड है और इस बात को फिर से गांठ बांध लो कि विधायक जी अपने कमिटमेंट से कभी भी मुकरते नहीं है। आसानी से कमिटमेंट नहीं करते और अगर किसी से कमिटमेंट कर लिया तो फिर कुछ भी हो जाये वो मुकरते नहीं है।

विद्यालयों-महाविद्यालयों में बदहाल शौचालय और फर्जी अस्पतालों पर सदन में तीखा सवाल

एमएलसी दिनेश कुमार गोयल ने महिला शौचालय व अवैध अस्पतालों पर तुरंत कार्रवाई की उठाई मांग

लखनऊ, करंट क्राइम। विधान परिषद सत्र के दौरान दिनेश कुमार गोयल और विजय बहादुर पाठक ने प्रदेश में स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों को सदन में मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार अभियान चला रही है, लेकिन विद्यालयों और महाविद्यालयों में फैली गंदगी तथा बदहाल शौचालय व्यवस्था इस मिशन की सफलता में बड़ी बाधा बनी हुई है।

एमएलसी दिनेश कुमार गोयल ने कहा कि प्रदेश के कई स्कूलों और कॉलेजों में शौचालयों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। समुचित सफाई के अभाव में छात्रों के स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जबकि छात्राओं के लिए हालात और भी गंभीर हैं।

छात्राएं शौचालय उपयोग से कतराने को मजबूर : दिनेश गोयल

स्कूल-कॉलेजों में स्वच्छता की हकीकत

- कई शौचालयों में पानी और साबुन तक उपलब्ध नहीं।
- कहीं दरवाजे नहीं, तो कहीं खिड़कियों में शीशे गायब।
- छात्राएं शौचालय उपयोग से कतराने को मजबूर।
- राजधानी लखनऊ के आईटी गुरुनानक गर्ल्स पीजी कॉलेज सहित एक दर्जन कॉलेजों में स्थिति बदतर।
- शैनेटरी नैपकिन की व्यवस्था अधिकांश महिला विद्यालयों में नहीं, कई जगह लगी मशीनें भी हटाई गईं।

उन्होंने बताया कि यह समस्या केवल राजधानी तक सीमित नहीं है, बल्कि गाजियाबाद, आजमगढ़, बरेली, जौनपुर और पीलीभीत जैसे जिलों से भी ऐसे उदाहरण सामने आए हैं।

फर्जी अस्पतालों पर उठाया बड़ा सवाल

एमएलसी ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और गंभीर मुद्दा उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए पूरी तरह संजीदा हैं। निजी अस्पतालों पर शिकायत मिलने पर सरकार ने कई जगह अस्पताल बंद कराए और लाइसेंस निरस्त किए, लेकिन इसके बावजूद—

- बंद किए गए अस्पताल उसी स्थान पर नए नाम से फिर संचालित हो रहे हैं।
- नियमों के अनुसार नए अस्पताल के पंजीकरण में स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य है, फिर भी यह कैसे संभव हो रहा है।
- राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों से ऐसी जानकारियां सामने आई हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जैसा संवेदनशील विषय होने के बावजूद इस तरह की घटनाएं विभागीय लापरवाही और निगरानी की कमी को दर्शाती हैं, जिससे जन आक्रोश बढ़ रहा है और सरकार को कटघरे में खड़ा होने की स्थिति बनती है।

दिनेश कुमार गोयल की सरकार से मांग

- प्रदेश के सभी विद्यालयों व महाविद्यालयों में अभियान चलाकर शौचालयों, विशेषकर महिला शौचालयों को दुरुस्त कराया जाए।
- विद्यालयों में शैनेटरी नैपकिन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।
- बंद किए गए अस्पतालों को अवैध रूप से दोबारा संचालित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर त्वरित और कठोर कदम उठाना न केवल छात्रों के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए जरूरी है, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सरकार की मंशा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए भी अनिवार्य है।

संपादकीय

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत देगा। अमेरिका के टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में मदद मिलेगी। वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भारत का पक्ष मजबूत होगा। न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। अमेरिकी नीतियों की वजह से दबाव का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता राहत की खबर है। हाल में कई दूसरे देशों के साथ भी सहमति बनी है। ये समझौते अमेरिकी टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में तो मदद करेंगे ही, इनसे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भी नई दिल्ली का पक्ष भारी रहेगा।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की इस साल मार्च में भारत यात्रा के दौरान ट्रेड डील पर बात शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की औपचारिक शुरूआत भारत की आजादी के कुछ साल बाद ही हो गई थी, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार अब भी बेहद कम है। 2023 में यह 1.75 अरब डॉलर था और पिछले साल 2.07 अरब डॉलर। ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, सर्विसेज, गुड्स, इन्वेस्टमेंट में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। किसानों को फायदा न्यूजीलैंड खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से उसकी उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। महत्वपूर्ण है कि डेयरी सेक्टर में कोई छूट नहीं दी गई है और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में समझौता संभव नहीं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जिन वजहों से देर हो रही है, उनमें कृषि और डेयरी सेक्टर शामिल हैं।

ओमान के साथ समझौता हाल में भारत की तरफ से व्यापारिक समझौतों में तेजी आई है। पिछले हफ्ते ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता हुआ था। दोनों देश इसे तीन महीने के भीतर लागू करना चाहते हैं। इसके बाद ओमान को भारत का 99% से ज्यादा निर्यात टैरिफ फ्री हो जाएगा। इसी तरह, दिसंबर की शुरूआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की यात्रा के दौरान मॉस्को और नई दिल्ली ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

दूसरों के साथ बात बढ़े भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट पर अब भी बातचीत जारी है। पीयूष गोयल ने वार्ता को अडवांस्ड स्टेज में बताया है। दोनों देश इसे जल्द अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे निर्यात क्षेत्र के साथ भारतीय शेयर बाजार को भी राहत मिलेगी। आशा है कि यूरोपीय यूनियन, इस्राइल, कनाडा के साथ भी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बात तेजी से आगे बढ़ेगी। इनसे भारतीय निर्यात में विविधता आएगी और विदेशी बाजारों में हमारे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बेहतर होगी।

क्रिसमस से पहले एशियाई बाजार मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली। एशियाई शेयर बाजारों में मंगलवार को ज्यादातर मजबूती देखने को मिली, जिसका असर वॉल स्ट्रीट में आई पिछली बढ़त से पड़ा। क्रिसमस से पहले अमेरिकी बाजारों में सीमित कारोबार रहने वाला है, ऐसे में निवेशकों की नजर जीडीपी, बेरोजगारी भत्ते और उपभोक्ता विश्वास जैसे अहम अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर बनी हुई है। टोक्यो का निक्केई 225 0.1 प्रतिशत गिरकर 50,359.78 पर आ गया, और डॉलर जापानी येन के मुकाबले गिर गया, क्योंकि टोक्यो के अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर येन में तेजी से कमजोरी आई तो वे हस्तक्षेप करेंगे। हांगकांग का हैंग सेंग शुरूआती बढ़त गंवाकर 0.1 प्रतिशत गिरकर 25,762.64 पर आ गया। वहीं शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.1 प्रतिशत बढ़कर 3,920.16 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.3 प्रतिशत बढ़कर 4,117.15 पर पहुंच गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 1.1 प्रतिशत बढ़कर 8,795.70 पर पहुंच गया। ताइवान में सेंसेक्स में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई,

जबकि भारत का सेंसेक्स लगभग अपरिवर्तित रहा।

सोमवार को एसएंडपी 500 में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 6,878.49 पर पहुंच गया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 48,362.68 पर पहुंच गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में भी 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 23,428.83 पर पहुंच गया। छोटी कंपनियों के शेयरों ने विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। रसेल 2000 सूचकांक ने अन्य प्रमुख सूचकांकों को पीछे छोड़ते हुए 1.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

दिसंबर के उतार-चढ़ाव भरे महीने के अंत में, प्रमुख सूचकांकों को भी लाभ हुआ और वे महीने के अंत तक बढ़त के दायरे में आ गए। प्रौद्योगिकी कंपनियां, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित कंपनियां, बाजार के उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही हैं। एआई से संबंधित शेयरों की दिशा से ही यह तय होगा कि दिसंबर का अंत लाभ के साथ होगा या हानि के साथ।

सोने-चांदी की कीमतों में आई वृद्धि : सोने और चांदी ने रिकॉर्ड स्तर को छुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीदों के चलते सोने की कीमतें मंगलवार सुबह लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 4,512.40 पर पहुंच गईं, जिससे पूरे वर्ष की लगातार वृद्धि जारी रही। चांदी की कीमतों में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

क्रिसमस के दिन अमेरिकी बाजार रहेंगे बंद

क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बुधवार को अमेरिकी बाजार जल्दी बंद हो जाएंगे और क्रिसमस के उपलक्ष्य में गुरुवार को भी बाजार बंद रहेंगे। कारोबार के लिए कम समय वाले इस सप्ताह में कई आर्थिक रिपोर्टें जारी की जाएंगी जिनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति और दिशा के बारे में अधिक जानकारी मिल सकती है।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निवेशकों की नजर

ट्रंप प्रशासन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तीन अनुमानों में से पहला अनुमान जारी करेगी, जो तीसरी तिमाही में व्यापक अमेरिकी अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को दशार्ता है। बुधवार को श्रम विभाग बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदनों पर अपना साप्ताहिक डेटा जारी करेगा, जो अमेरिकी छंटनी का एक संकेतक है। कॉन्फ्रेंस बोर्ड मंगलवार को अपने दिसंबर के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के परिणाम भी जारी करेगा।

सोना-चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, एमसीएक्स और कॉमेक्स पर नए ऑल-टाइम हाई

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के बीच सोना और चांदी नए हाई पर पहुंच गए हैं। मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं ने अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अगले साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की मजबूत संभावनाओं ने निवेशकों को सुरक्षित

निवेश पर दांव लगाने के लिए मजबूर कर दिया है।

इससे सराफा बाजार में ऐतिहासिक तेजी है। रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट, जिगर त्रिवेदी का कहना है।

एमसीएक्स पर सोने-चांदी की अभूतपूर्व छलांग

घरेलू वायदा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मंगलवार को सोने की चमक और बढ़ गई। फरवरी डिलीवरी वाला सोना 1,637 रुपये या 1.2 प्रतिशत की जोरदार बढ़त के साथ 1,38,381 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा सत्र है जब पीली धातु ने बढ़त दर्ज की है।

इस दौरान, चांदी की चमक भी कम नहीं रही। एमसीएक्स पर मार्च 2026 के अनुबंध वाली चांदी ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त कायम रखी। चांदी की कीमतों में 3,724 रुपये या 1.75 प्रतिशत का उछाल आया और यह 2,16,596 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को छू गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड तोड़ रैली

विदेशी बाजारों में भी तेजी का यही रुख देखने को मिला। कॉमेक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 61.4 डॉलर या 1.37 प्रतिशत चढ़कर 4,530.8 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। वहीं, चांदी ने भी एक बड़ा मनोवैज्ञानिक स्तर पार किया। कॉमेक्स पर चांदी ने पहली बार 70 डॉलर का आंकड़ा पार करते हुए 1.59 डॉलर (2.32%) की बढ़त के साथ 70.15 डॉलर प्रति औंस का नया रिकॉर्ड बनाया।

पैन-आधार लिंकिंग जरूरी, वरना लोन, बैंकिंग और टैक्स रिटर्न में होगी दिक्कत

नई दिल्ली। अगर पैन को तय समय तक आधार से लिंक नहीं किया गया, तो पैन इनऑपरेटिव हो जाएगा, यानी वह वैध रहते हुए भी काम नहीं करेगा। ऐसे में टैक्स रिटर्न फाइल करना, बैंकिंग, लोन लेना, निवेश करना और कई वित्तीय लेनदेन मुश्किल हो जाएंगे, साथ ही ऊंची दर से ळऊर भी कट सकता है।

पैन और आधार को लिंक कराने की अंतिम तारीख अब नजदीक है। आयकर विभाग के नियमों के अनुसार, अगर 1 जनवरी 2026 तक पैन को आधार से लिंक नहीं किया गया, तो पैन इनऑपरेटिव हो जाएगा। खास तौर पर जिन लोगों का आधार 1 अक्तूबर 2024 या उससे पहले जारी हुआ है, उनके लिए 31 दिसंबर 2025 तक पैन-आधार लिंक कराना अनिवार्य है। समय पर लिंकिंग न होने की स्थिति में टैक्स फाइलिंग, बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन से जुड़े कई जरूरी काम प्रभावित हो सकते हैं। पैन इनऑपरेटिव का सीधा मतलब है कि पैन कार्ड वैध होते हुए भी काम नहीं करेगा। यानी कानूनन पैन रहेगा, लेकिन आप उसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

क्यों जरूरी है पैन-आधार लिंकिंग?

पैन इनऑपरेटिव होने पर पर्सनल लोन, होम लोन या कम ब्याज वाले कर्ज लेना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा कई वित्तीय लेनदेन पर उच्च दर से टीडीएस कट सकता है, जिससे टैक्स बोझ बढ़ सकता है। बैंक खाते, निवेश और अन्य वित्तीय सेवाओं में भी दिक्कतें आ सकती हैं।

डेडलाइन चूकने पर लगेगा जुमार्ना

अगर तय समयसीमा तक पैन-आधार लिंक नहीं किया गया, तो पैन को दोबारा सक्रिय कराने के लिए 1,000 का जुमार्ना देना होगा। सुविधा के माध्यम से जमा करनी होगी, इसके बाद ही लिंकिंग प्रक्रिया पूरी होगी। पहले से देरी होने पर भी 1,000 रुपये की लेट फीस देनी पड़ सकती है।

लिंकिंग स्टेटस कैसे जांचें

पैन-आधार लिंकिंग का स्टेटस जानने के लिए आयकर विभाग के पोर्टल पर संबंधित विकल्प चुनकर अपनी जानकारी भरनी होगी। इसके बाद तुरंत पता चल जाएगा कि पैन और आधार लिंक हैं, लिंकिंग रिक्वेस्ट पेंडिंग है या अब तक लिंक नहीं हुई है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता: कृषि तकनीक के बदले बाजार पहुंच

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी व्यापारिक कूटनीति में एक नया और रणनीतिक अध्याय जोड़ते हुए न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। भारत ने साफ किया है कि न्यूजीलैंड से आने वाले सेब, कीवी और प्रीमियम 'मानुका हनी' (शहद) को

भारतीय बाजार में शुल्क रियायतें तभी मिलेंगी, जब वह भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के अपने वादों को धरातल पर उतारेगा। केंद्र सरकार ने इन रियायतों को सीधे तौर पर 'कृषि उत्पादकता एक्शन प्लान' से लिंक कर दिया है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेशी माल के साथ-साथ विदेशी तकनीक भी भारतीय खेतों तक पहुंचे।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस पूरे तंत्र की निगरानी के लिए एक विशेष 'संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद' का गठन किया जाएगा। यह परिषद देखेगी कि न्यूजीलैंड समझौते के तहत किए गए वादों- जैसे कि बागवानी में तकनीकी सुधार और क्षमता निर्माण- को पूरा कर रहा है या नहीं। यह कदम घरेलू कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा और बाजार पहुंच के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

तकनीक के बदले बाजार: क्या है न्यूजीलैंड का वादा समझौते की शर्तों के मुताबिक, न्यूजीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद उत्पादन की गुणवत्ता और क्षमता बढ़ाने के लिए 'फोकस्ड एक्शन प्लान' पर सहमति जताई है। इसके तहत न्यूजीलैंड भारत में 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' (उत्कृष्टता केंद्र) स्थापित करने में मदद करेगा। सहयोग के इस ढांचे में बागान मालिकों के लिए बेहतर पौध सामग्री उपलब्ध कराना, क्षमता निर्माण, बागान प्रबंधन में तकनीकी सहायता, फसल कटाई के बाद के प्रबंधन सप्लाई चेन को मजबूत करना और खाद्य सुरक्षा के मानक तय करना शामिल है।

प्रीमियम सेब की खेती और टिकाऊ मधुमक्खी पालन के लिए शुरू की जाने वाली परियोजनाएं भारत में उत्पादन की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों तक ले जाने में मदद करेंगी। मंत्रालय ने अपने बयान में साफ कहा है, सेब, कीवी और मानुका हनी के लिए सभी टैरिफ रेट कोटा कृषि उत्पादकता कार्य योजनाओं की डिलीवरी से जुड़े हैं।

सेब के व्यापार का गणित: कोटा और न्यूनतम आयात मूल्य

न्यूजीलैंड आधिकारिक तौर पर ऐसा पहला देश है जिसे भारत ने इस समझौते के तहत अपने सेब निर्यात के लिए ड्यूटी में रियायत दी है। हालांकि, यह छूट असीमित नहीं है। वर्तमान में, भारत आयातित सेब पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाता है। घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के लिए भारत ने 'कोटा' और 'न्यूनतम आयात मूल्य' का एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया है।

समझौते के तहत, पहले वर्ष में न्यूजीलैंड को 32,500 टन सेब के आयात पर शुल्क में रियायत दी जाएगी। छठे वर्ष तक इस कोटे को बढ़ाकर 45,000 टन कर दिया जाएगा, इस पर केवल 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। लेकिन, शर्त यह है कि आयातित सेब का मूल्य 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम से कम नहीं होना चाहिए। यदि आयात इस तय कोटे से अधिक होता है, तो उस पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू होगा।

घरेलू बाजार को बचाने के लिए क्या फैसला?

आंकड़ों के अनुसार, भारत में न्यूजीलैंड से वार्षिक सेब आयात लगभग 31,392.6 टन है, जिसका मूल्य 32.4 मिलियन डॉलर है। जबकि देश का कुल सेब आयात 5,19,651.8 टन (424.6 मिलियन डॉलर) है। इस लिहाज से न्यूजीलैंड का हिस्सा अभी सीमित है, लेकिन नई रियायतों से इसमें बढ़ोतरी की संभावना है।

रोचक तथ्यों का करंट

- इंद्रधनुष रंगावली का क्रम लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, नीलिगो, बैंगनी है।
- इंद्रधनुष न केवल बारिश में देखा जा सकता है बल्कि धुंध, स्प्रे, कोहरे और ओस में भी देखा जा सकता है, जब भी हवा में पानी गिरता है और दाएं कोण पर पीछे से चमकता हुआ प्रकाश होता है।
- अधिकांश इंद्रधनुष प्राथमिक इंद्रधनुष होते हैं, बाहरी किनारे पर लाल और भीतरी किनारे पर बैंगनी।
- यदि एक डबल इंद्रधनुष है तो दुसरे वाले के रंग प्राथमिक या पहली इंद्रधनुष के विपरीत क्रम में होते हैं।
- एक चंद्र इंद्रधनुष या चंद्रधनुष देखने के लिए, चंद्रमा केवल पूर्ण ही नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सूर्योदय से 2 से 3 घंटे के भीतर आकाश में 42 डिग्री से भी कम होना चाहिए, और निश्चित रूप से, बारिश बिल्कुल उस सटीक पल पर चंद्रमा के विपरीत होनी चाहिए।
- बहुत ही दुर्लभ अवसरों पर एक तीसरा और चौथा इंद्रधनुष भी हो सकता है।
- कुछ इंद्रधनुष में केवल एक रंग होता है और इसे 'मोनोक्रोम इंद्रधनुष' कहा जाता है।
- आकाश में यदि सूर्य कम ऊंचाई पर होता है तो इन्द्रधनुष ऊंचाई पर बनता है और यदि आकाश में सूर्य अधिक ऊंचाई पर होता है तो इन्द्रधनुष काफी नीचे बनता है।

राशिफल

मेष: पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृष: दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन: प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क: दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

सिंह: अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर: यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुंभ: धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

मीन: स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

चुटकुले

मरीज- डॉक्टर साहब, क्या आपको यकीन है कि मुझे मलेरिया ही है ?
दरअसल मैंने एक मरीज के बारे में पढ़ा था कि डॉक्टर उसका मलेरिया का इलाज करते रहे... अंत में जब वह मरा तो पता चला कि उसे टायफाइड था।
डॉक्टर- चिन्ता मत करो, हमारे अस्पताल में ऐसा कभी नहीं होता।
हम अगर किसी का मलेरिया का इलाज करते हैं तो वह मलेरिया से ही मरता है!

पत्नी- अगर मैं तुम्हें छोड़कर चली गई, तो तुम क्या करोगे?
पति- मैं तो पागल हो जाऊंगा
पत्नी- मतलब दूसरी शादी तो नहीं करोगे?
पति- पागल कुछ भी कर सकता है...

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

एसआईआर अभियान लोकतंत्र की मजबूती का आधार, एक भी पात्र मतदाता न छूटे: अतुल गर्ग

विजय नगर में भाजपा की संगठन समीक्षा बैठक, सदस्यता और मतदाता पुनरीक्षण पर जोर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विजय नगर मंडल के रोज बेल पब्लिक स्कूल में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा S.I.R (सदस्यता अभियान/संगठन समीक्षा) को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अतुल गर्ग, सांसद गाज़ियाबाद ने अभियान को लोकतंत्र की मजबूती से जोड़ते हुए कार्यकर्ताओं को स्पष्ट दिशा दी। बैठक में संगठन की स्थिति, सदस्यता अभियान और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि S.I.R अभियान केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने का माध्यम है और इसमें कार्यकताओं की भूमिका सबसे अहम है। बैठक में भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने भी अभियान को संगठन की रीढ़ बताते हुए कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर सदस्यता और मतदाता पुनरीक्षण कार्य को गति देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर शहर विधानसभा र.कफ संयोजक बलराम रावल, महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष बलप्रीत सिंह, विजय नगर मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा सहित मंडल एवं बूथ स्तर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे आगामी दिनों में समर्पण भाव से संगठन विस्तार, नए मतदाताओं को जोड़ने और मतदाता सूची की त्रुटियों के सुधार के लिए निरंतर सक्रिय रहेंगे।

मताधिकार से ही लोकतंत्र मजबूत होता है: अतुल गर्ग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार में निहित है। यदि किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट जाता है, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ नए मतदाता जोड़ने और मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्य में जुटें।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह का 123वां जन्मदिन मनाया

राज्य कर विभाग में आयोजित कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह को किया गया याद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन गाजियाबाद की ओर से राज्य कर विभाग के प्रांगण में आयोजित समारोह में मंगलवार को भारत रत्न चौधरी चरण सिंह का 123वां जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा देश की प्रगति में दिये गये योगदान को याद किया गया। समाज की प्रगति में अच्छा कार्य व योगदान देने वाले व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वाणिज्य कर अधिकरण, पीठ-02 गाजियाबाद मारूति शरण चौबे मुख्य अतिथि व मानवेन्द्र प्रताप सिंह, अपर आयुक्त ग्रेड-1, राज्य कर, जोन-प्रथम, गाजियाबाद विशिष्ट अतिथि रहे।

मुख्य अतिथि माननीय मारुति शरण चौबे द्वारा कार्यक्रम में कहा गया कि आज हमें चौधरी साहब के जीवन दर्शन को अपनाने की आवश्यकता है। चौधरी चरण सिंह जी सच्चे मायने में किसान, ग्राम, गरीब, शौषित और मजदूरों के हितचिंतक थे। सादा जीवन उच्च विचार के सिद्धांत पर चलने वाले चौधरी साहब का जीवन हमेशा प्रेरणादायी रहा है। द्वारा इस अवसर पर संस्था के संरक्षक उदयवीर सिंह जी के द्वारा चौधरी साहब के जीवन के बारे में विस्तृत परिचय कराया गया।

इस मौके पर प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के संरक्षक उदयवीर सिंह, अध्यक्ष जयवीर सिंह, महामंत्री कुसुम सिंह, कार्यक्रम संयोजक प्रदीप कुमार चौधरी, गीता शर्मा, नरेश कुमार चौधरी, कार्यकारिणी सदस्यगण सचिन त्यागी, रविन्द्र कश्यप, अमित चावला, अरविंद तेवतिया, नितिन चौधरी, अतुल कुमार शर्मा, दीपक डंगवाल व अन्य अधिवक्तागणों के अतिरिक्त एडिशनल कमिश्नर, ग्रेड-2 कमलेश कुमार, एडिशनल कमिश्नर, ग्रेड-2 अशोक कुमार सिंह, एडिशनल कमिश्नर, ग्रेड-2 एडिशनल कमिश्नर, ग्रेड-2 राममिलन प्रसाद, उपायुक्त अभिषेक सिंह, उपायुक्त अरुण कुमार सिंह व उपायुक्त संजय आर्य भी उपस्थित रहे।

किसानों के मसीहा को नमन, चित्तौड़ा में चरण सिंह जयंती पर गूंजा किसान स्वाभिमान का स्वर

हवन-पूजन व विचार गोष्ठी में बिड्डी ने दोहराया—किसान हित ही राष्ट्र निर्माण की नींव

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारतीय राजनीति में किसान स्वाभिमान, सादगी और सिद्धांतों की पहचान रहे भारत रत्न, स्वतंत्रता सेनानी, भूतपूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती पर गांव चित्तौड़ा में श्रद्धा, विचार और संकल्प का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधिवत हवन-पूजन किया गया तथा एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें वक्ताओं ने चौधरी चरण सिंह के किसान-केंद्रित दर्शन, ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय पर आधारित नीतियों को आज भी उतना ही प्रासंगिक बताया।

कार्यक्रम में किसानों, ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं और रालोद पदाधिकारियों की बड़ी भागीदारी रही।

जिला उपाध्यक्ष प्रदीप मुखिया ने कहा कि चौधरी साहब का जीवन सादगी, ईमानदारी और सिद्धांतों का प्रतीक है, और आज के समय में उनके विचारों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। कोऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर हरिकांत शर्मा, दिलावर सिंह, रामकुमार सिंह, मनोज कुमार और इंद्रपाल (डायरेक्टर) ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में हरेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह, सोहनपाल सिंह, समरजीत सिंह, समीर चौधरी, नक्षराज सिंह, आनंद सिंह, इदरीश प्रधान, अरविंद प्रधान, जगपाल सिंह, संजीव कुमार, अमित कुमार, विनीत कुमार, विजयपाल सिंह, यशपाल सिंह, ऋषिपाल सिंह, सुरजीत सिंह, सुमन वीर सिंह, सरजीत सिंह, मानसिंह, किशनवीर सिंह, पारथ सिंह, बलजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, नीरज सिंह, वीरपाल सिंह, बिजेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, राजीव सिंह, सुरेंद्र सिंह, मास्टर योगेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

किसान को जमीन का मालिक बनाने वाला नेतृत्व था चौधरी चरण सिंह : अमरजीत सिंह बिड्डी

करंट क्राइम। रालोद सहकारिता के प्रदेश अध्यक्ष एवं चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन किसान, कमेरे वर्ग और देश की तरक्की के लिए समर्पित किया। उन्होंने दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए, भारत सरकार में वित्त व गृह मंत्री तथा प्रधानमंत्री के रूप में ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिनसे किसान को सम्मान और अधिकार मिला। जमींदारी उन्मूलन कानून और चकबंदी अधिनियम जैसे कदमों ने किसानों को उनकी भूमि का वास्तविक स्वामित्व दिलाया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

टीडीएस सिटी में निष्क्रिय भूखंडों पर सख्ती यूपीसीडा ने दिया अंतिम अवसर

30 दिन में पट्टा विलेख न कराया तो निरस्त होगा आवंटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूपीसीडा (उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण) ने टीडीएस सिटी, लोनी, गाजियाबाद के आवासीय सेक्टरों में लंबे समय से अनुपयोगित एवं अपंजीकृत भूखंडों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। 47वीं बोर्ड बैठक के निर्णय के क्रम में प्राधिकरण ने ऐसे सभी आवंटियों को अंतिम अवसर देते हुए स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में पट्टा विलेख निष्पादित न कराने पर भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा।

यूपीसीडा द्वारा बताया गया कि 7 नवंबर 2024 से पूर्व आवंटित या हस्तांतरित भूखंडों के आवंटियों को पट्टा विलेख निष्पादन, कब्जा प्राप्त करने तथा भवन मानचित्र स्वीकृत कराते हुए निर्माण शुरू करने के लिए 06 नवंबर 2025 तक निःशुल्क समय दिया गया था। इसके बावजूद कई मामलों में अब तक पट्टा विलेख नहीं कराया गया है।

यूपीसीडा ने स्पष्ट किया है कि यह कार्यवाही आवासीय भूखंडों की उपयोगिता सुनिश्चित करने और टीडीएस सिटी के नियोजित विकास के उद्देश्य से की जा रही है। प्राधिकरण ने सभी संबंधित आवंटियों से अपील की है कि वे इसे अंतिम अवसर मानते हुए समय रहते आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर लें।

मुख्य निर्देश

- सूचना की तिथि से 30 दिन के भीतर निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से।
- पट्टा विलेख का समय विस्तार लेकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी।
- समय सीमा का पालन न करने पर भूखंड आवंटन निरस्तीकरण की कार्यवाही।
- निरस्तीकरण की स्थिति में समस्त जिम्मेदारी स्वयं आवंटी की होगी।

गांजा तस्कर गिरफ्तार, चार किलो गांजा बरामद पुलिस ने कार्रवाई कर जेल भेजा

लोनी, गाजियाबाद। पुलिस ने अवैध गांजा की तस्करी करने वाले तस्कर को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। एसीपी सिधार्थ गौतम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर लोनी पुलिस ने सबलूगढी मार्ग से चौकी अशोक विहार से चेकिंग के दौरान गांजा तस्कर को तीन किलो 700 ग्राम गांजे के साथ धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम अली मोहम्मद उर्फ समीर पुत्र महफूज निवासी निठौरा रोड़ अमन गार्डन बताया तस्कर ने यह भी बताया कि वह चोरी छिपे गांजा लाकर कॉलोनियों में बेचता था लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई कर गांजा तस्कर को जेल भेज दिया है।

सिख एक्टिविस्ट ने दस्तार (पगड़ी) के सम्मान की रक्षा को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सिख समुदाय के धार्मिक प्रतीक दस्तार (पगड़ी) की गरिमा, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर सिख एक्टिविस्ट मन्नी रियाड़ ने अल्पसंख्यक कार्य विभाग के नाम एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद को सौंपा। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र वैद भी उपस्थित रहे।

ज्ञापन में कहा गया कि सिख धर्म संविधान द्वारा संरक्षित अल्पसंख्यक धर्म है और पगड़ी सिखों की धार्मिक आस्था, आत्मसम्मान व पहचान का अभिन्न प्रतीक है। हाल के समय में पगड़ी को लेकर अपमानजनक टिप्पणियों व हस्तक्षेप की घटनाएँ सामने आई हैं, जो सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाती हैं।

मन्नी रियाड़ ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 25, 29 व 30 के तहत धार्मिक प्रतीकों की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। ज्ञापन में मांग की गई कि सिख धार्मिक प्रतीकों की गरिमा हेतु स्पष्ट प्रशासनिक दिशा-निर्देश जारी हों, पगड़ी के अपमान पर त्वरित व सख्त कार्रवाई हो और पुलिस-प्रशासन को इस विषय में संवेदनशील बनाया जाए। देवेंद्र वैद ने कहा कि सभी समुदायों के धार्मिक प्रतीकों का सम्मान ही समरस समाज की पहचान है।

निगम की खाली जमीनों पर भू-माफिया की नजर

पार्षद नीरज गोयल ने बचाव के लिए दिया 'पार्किंग और ट्रिपल आर सेंटर' का फॉर्मूला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। निगम की खाली पड़ी जमीनों व कब्जा मुक्त कराई जमीनों को जनहित में उपयोग में लेने के लिए कार्यकारिणी सदस्य व पार्षद नीरज गोयल ने नगरायुक्त के नाम एक पत्र लिखा जिस की कॉपी महापौर सुनीता दयाल को भी प्रेषित करते हुए बताया किआप के नेतृत्व में निगम की करोड़ों रुपए की जमीन कब्जा मुक्त कराई गई है तथा बहुत सी जमीन खाली पड़ी हुई है। जिन को अभी किसी भी प्रकार से उपयोग में नहीं लिया जा रहा है। खाली पड़ी जमीन पर शातिर भूमाफिया कब्जा कर भोली भाली जनता को बेच भी देते हैं या फिर दोबारा कब्जा करने की फिराक में रहते हैं। निगम द्वारा ट्रिपलआर योजना चलाई गई है जिस में स्थानीय लोग प्रयोग में ना आने वाला सामन जैसे कपड़े, किताब, फर्नीचर, खिलौने आदि को नगर निगम के निर्धारित कर्मचारियों को दे देते हैं। उस सामान को निगम द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों को दे दिया जाता है जिससे जरूरतमंद व्यक्तियों की आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है तथा बढ़े वाले कूड़े में कमी भी हो जाती है।

वर्तमान में लाखों की संख्या में कार आदि वाहन घरों के बाहर सड़क पर खड़े रहते हैं जिस से सड़कों की सफाई करने में परेशानी होती है तथा स्थानीय निवासियों को सड़क पर चलने में परेशानी होती है।

नीरज गोयल कहा कि सामाजिक संस्थाओं से वार्ता कर इन खाली पड़ी जमीनों में ट्रिपल आर के केंद्रों को खोल दिया जाए तथा निगम द्वारा आवश्यक २नियम बनाकर इन जमीनों पर मोहल्ला पार्किंग बना दिया जाए जिससे जनहित के कार्यों के साथ निगम की आय में वृद्धि होगी, पुनः कब्जे से मुक्ति मिलेगी तथा बढ़े वाले कूड़े में कमी आएगी।

सिद्धदोष बंदी आसिफ की मृत्यु की जांच आमजन से साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपील

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सिद्धदोष बंदी आसिफ पुत्र परवेज की उपचार के दौरान हुई मृत्यु के संबंध में जांच प्रक्रिया जारी है। इस मामले में नितिशा सिंह, जांच अधिकारी / अपर सिविल जज (सीडी) एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-01, गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आमजन से मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपील की है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, सविता देवी, पत्नी धर्मेन्द्र सिंह, निवासी बी-ब्लॉक, आजाद विहार, खोड़ा कॉलोनी, गाज़ियाबाद, यह घोषणा करती हूँ कि मेरे पुत्र सुधांशु राज के शैक्षिक प्रमाण-पत्रों में मेरा नाम गलती से सविता सिंह लिखा गया है, जबकि मेरा सही नाम सविता देवी है। भविष्य में सभी प्रयोजनों के लिए मेरा सही नाम सविता देवी ही माना जाए।

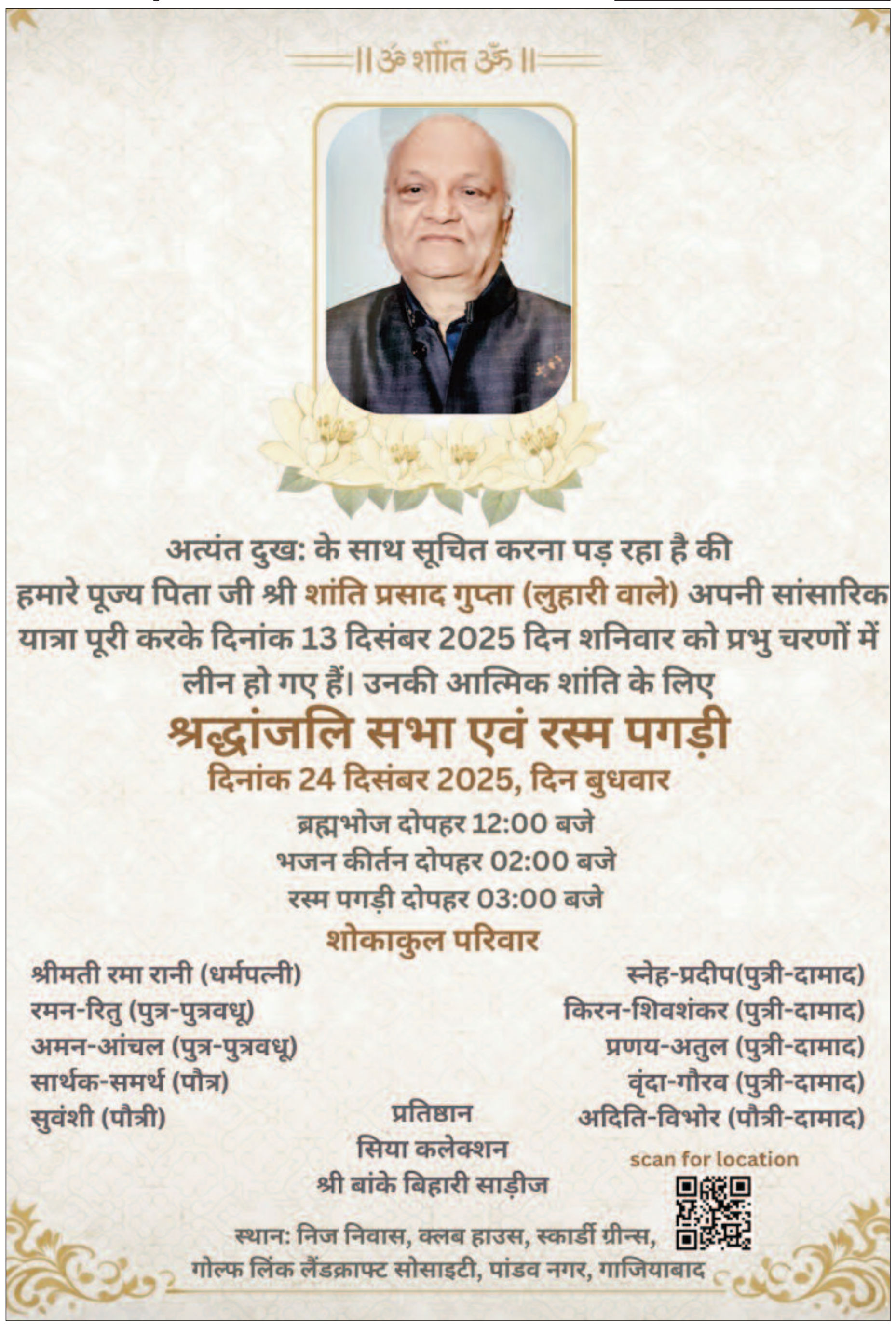

गाजियाबाद पुलिस की बड़ी सफलता : ट्रांस हिंडन जोन ने बरामद किए 65 लाख के 246 मोबाइल

सीईआईआर पोर्टल और सर्विलांस टीम की मदद से देश के कई राज्यों से ट्रैक किए गए फोन

मालिकों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन जोन की पुलिस और सर्विलांस/स्वॉट टीम ने तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए खोए और चोरी हुए 246 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की है। बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की अनुमानित कीमत लगभग 65 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रांस हिंडन द्वारा इन मोबाइल फोन्स को उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द कर दिया गया है।

तकनीकी साक्ष्यों और अंतर्राज्यीय नेटवर्क से मिली सफलता : पुलिस के अनुसार, बरामद किए गए अधिकांश फोन चोरी, स्नैचिंग या गुमशुदगी की शिकायतों से जुड़े थे। सर्विलांस टीम ने सी.ई.आई.आर. पोर्टल पर प्राप्त डेटा का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान मोबाइल फोन्स की लोकेशन उत्तर प्रदेश के अलावा हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और दिल्ली-एनसीआर जैसे विभिन्न राज्यों में पाई गई, जहाँ से पुलिस टीमों ने इन्हें सफलतापूर्वक रिकवर किया।

थानावार प्रदर्शन और सम्मान : रिकवरी अभियान में थाना कौशाम्बी (69 फोन) और थाना इंदिरापुरम (61 फोन) संख्या के मामले में सबसे आगे रहे। हालांकि, कुल प्राप्त शिकायतों के निस्तारण (रिकवरी प्रतिशत) के आधार पर थाना शालीमार गार्डन (65%) और थाना टीलामोड़ (59%) ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस उपायुक्त ने दोनों थानों की पुलिस टीमों को 'प्रशस्ति पत्र' देकर सम्मानित किया।

बरामदगी का पूरा विवरण: कुल मोबाइल: 246 (3 चोरी के और 243 गुमशुदा)। प्रमुख बरामदगी: थाना कौशाम्बी (69), इंदिरापुरम (61), खोड़ा (31), शालीमार गार्डन (26), साहिबाबाद (25), लिंकरोड (23) और टीलामोड़ (11)।

अपने खोए हुए मोबाइल को वापस पाकर नागरिकों ने गाजियाबाद पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल चोरी और गुमशुदगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

गाजियाबाद आसपास

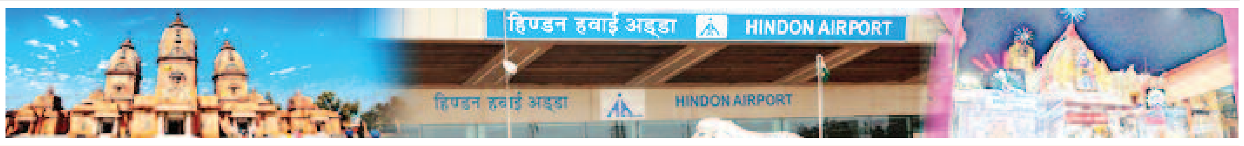

श्रद्धा और आस्था भाव के साथ हुआ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा बी ब्लॉक ग्राउंड सेक्टर 19 नोएडा में श्रीमद भागवत कथा महोत्सव का आयोजन किया गया। 17 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक यह आयोजन हुआ। श्रीमद भागवत कथा आयोजन में आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज ने श्रीमद भागवत कथा का पाठ किया। इस कार्यक्रम के आयोजक तथा अध्यक्ष देवेन्द्र गंगल, सचिव राम रतन शर्मा, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, महिला संयोजिका कंचन गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के संयोजक पंकज जिंदल, राकेश कात्याल, केके बंसल, कुलदीप गुप्ता रहे। कार्यक्रम में संयोजक अतुल वर्मा, शाखा संयोजक अनुज गुप्ता, सम्पर्क संयोजक अनुज मंगल, सह सचिव अक्षय पारीख, सह सचिव भूपेन्द्र मित्तल, विशिष्ठ सहयोगी दीपक गौतम, प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पूरी टीम ने सभी अतिथियों का श्रीमद भागवत कथा महोत्सव में स्वागत और सत्कार किया। कथा महोत्सव में दैनिक करंट क्राइम के प्रधान संपादक मनोज गुप्ता भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बज रहा है बैंड किस जनप्रतिनिधि की बढ़ गई है यहां सबसे ज्यादा लैंड

एक दौर था जब राजनीति में जमीन से जुड़े नेताओं की बात होती थी। लेकिन अब उन नेताओं का राज है जिनका बिजनेस ही जमीन है। कमाल ये हो गया है कि भगवागढ़ में जिनके पास एक मकान था अब उनके पास 40 बीघा का फार्म हाउस है, सुना है फार्म हाउस वाली लैंड में भी और इजाफे का बैंड बज रहा है। फूल वाले ही बता रहे हैं कि जिनके पास पहले क्यारी के लिए जमीन नहीं थी अब उनके यहां जमीन में फुलवारी है। एक फूल वाले तो इतना फल फूल गये हैं कि बस उनके बंगले के बराबर वाला बंगला उनका हो गया है। बंगले के पीछे वाला बंगला उनका हो गया है। बस आप ये समझ लो कि दायीं तरफ उनकी जमीन है बांयी तरफ उनकी जमीन है इधर उनकी दुकान है उधर उनकी दुकान है। समझ तो आप गये होंगे ये कौन से जनप्रतिनिधि महान है।

हमारे तीन पर बीन और उनके पांच पर भी नहीं आती कोई आंच

वैसे तो कमीशन का वाला मामला ऐसा है कि विकास वाले महकमें से लेकर सीवर वाले महकमें में ये फीवर एक सा है। वैसे तो पहले भी सदन आये हैं और मौहल्ले के प्रधान भी आये हैं लेकिन घमासान अब पहली बार दिखाई दे रहा है। जो भ्रष्ट्राचार जड़ से मिटाने का नारा देकर जीते थे अब वो भी चाहते हैं कि विकास में उन्हें भी हिस्सा मिले। मजे की बात ये है कि वो अब कमीशनखोरी को जस्टीफाई कर रहे हैं। वो छोटी फौज की मौज के हिमायती बन रहे हैं और बड़ी कश्ती में सुराख बता रहे हैं। मौहल्ला प्रधान ने ही भ्रष्ट्राचार को जस्टीफाई करते हुए कहा कि हमारे तीन पर भी ऐसा सीन बन जाता है कि पूरे शहर में बीन बजने लगती है। हमारे तीन पर भी बीन और आप ये देखो कि उनके पांच पर भी कोई आंच नहीं आ रही। छोटे बड़े का भेदभाव तो खत्म होना चाहिए हम तो जनप्रतिनिधि हैं लेकिन वो तो ऐसे वीआईपी हैं जिनके नाम का पांच अलग से कट कर जाता।

फ्लावर वाले पूछ रहे हैं कि वो बात-बात पर फायर क्यों हो जाते हैं

वो मंच पर होते हैं तो पूरी तरह से लहजा उनका टंच होता है। वो फूल वाले हैं और माईक पर उनकी जुबान से फूल झड़ते हैं। लेकिन फूल वाले बताते हैं कि बंद कमरे से लेकर पब्लिक प्लेस पर बिना माईक और मंच के वो जरा जरा सी बात पर एग्रेसिव। सरदार जी ने वेलकम की बात कही तो वो बंद कमरे में एग्रेसिव हो गये। पार्षद पति ने फार्म का सिस्टम समझाया तो वो एकदम से लाल हो गये। इससे पहले ठाकुर लेडी ने उन्हें किसी मौके की बधाई दी थी और वो उन्हें इस बात उलाहना दे रहे थे कि तुम अकेली क्यों आई हो। फ्लावर वालों में भी अब इस बात की चर्चा है कि आखिर हमारे फ्लावर वाले बात-बात में एक दम फायर क्यों हो जाते हैं। देवतुल्य भी कह रहे हैं कि उनको इस बात को समझना चाहिए कि अगर वो फायर हो रहे हैं तो हम भी किसी के हायर किये हुए नहीं है। हम भी फूल की सेवा में अपना तन-मन-धन सब लगा रहे हैं। हालांकि तो गुस्सा पार्टी के कामों को मजबूत करने के लिए होते हैं, उनके गुस्से से परेशान वो चेहरे ज्यादा हो रहे हैं जो काम से ज्यादा बतोलेबाजी करते हैं।

स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद को दी गई नम आंखों से श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद भूपेन्द्र उपाध्याय के पिता द्वारिका प्रसाद का निधन 12 दिसम्बर को हो गया था। मंगलवार को उनकी शोकसभा झंडापुर के अम्बेडकर पार्क में आयोजित की गई। समाज के गणमान्य लोगों ने शोकसभा में पहुंचकर स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में पहुंचे गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया।

नोएडा और दिल्ली के बाद गाजियाबाद की हवा देश में सबसे खराब, एक्यूआई पहुंचा 450 के पार

साहिबाबाद। नोएडा व दिल्ली के बाद जिले की हवा देश में सबसे खराब बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार मंगलवार को गाजियाबाद का औसत एक्यूआई 392 दर्ज किया गया। इसके साथ ही देश में तीसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा। वहीं, वसुंधरा का एक्यूआई 454 गंभीर श्रेणी में रहा। नोएडा 426 एक्यूआई के साथ पहले और दिल्ली 412 एक्यूआई के साथ दूसरे नंबर पर रही। जिले की हवा कभी गंभीर तो कभी बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। मंगलवार को दोपहर दो बजे जिले का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में 404 दर्ज किया गया। इसके बाद दोपहर चार बजे औसतन एक्यूआई हल्की राहत के बाद 392 बेहद खराब श्रेणी में रहा। एक्यूआई का स्तर दिनभर ऊपर-नीचे होता रहता है, लेकिन राहत नहीं मिल पा रही है। अंतिम बार 15 दिसंबर को हवा गंभीर श्रेणी में रही थी। इसके बाद से बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। इसके अलावा वसुंधरा को छोड़कर लोनी, संजय नगर व इंदिरापुरम की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। लोगों को प्रदूषण से राहत मिलने का नाम नहीं ले रही है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक मां हमेशा से अपने पुत्र के लिए दुनिया की सारी खुशियां मांगती है। यह मन है जो अपने लिए नहीं बल्कि भगवान से अपने बेटे के लिए उनकी छत्रछाया मांग रही है। सोनिका नेगी ने अपने बेटे के जन्मदिन पर यही मांगा कि भगवान भोलेनाथ की छत्रछाया तुम पर सदैव बनी रहे। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

आपदा में श्रीलंका के साथ भारत जयशंकर ने दिया मदद का भरोसा

कोलंबो। चक्रवात दित्वाह के बाद भारत ने श्रीलंका को 450 मिलियन डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज का आश्वासन दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पीएम अमरसूर्या से मुलाकात भी की।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात कर चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान के बाद देश के पुनर्निर्माण में भारत की पूर्ण प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाया। जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में दो दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुंचे हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच गहरे ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध हैं और आपदा की इस घड़ी में भारत, श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा दिया गया पुनर्निर्माण पैकेज दोनों देशों के आपसी विश्वास और मित्रता का प्रतीक है।

इस दौरान जयशंकर ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की मौजूदगी में उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फीट लंबा ड्यूल कैरिजवे बेली ब्रिज का उद्घाटन भी किया। यह क्षेत्र चक्रवात दित्वाह से सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में शामिल है। 110 टन वजनी यह पुल भारत से हवाई मार्ग से लाया गया और ऑपरेशन सागर बंधु के तहत स्थापित किया गया।

इससे पहले जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री मोदी की ओर से संवेदना और एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि भारत श्रीलंका को 450 मिलियन डॉलर का पुनर्निर्माण पैकेज प्रदान करेगा, जिसमें सड़क, रेल और पुलों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र को सहायता, कृषि क्षेत्र में समर्थन और आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना शामिल है। जयशंकर ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और विजन महासागर के तहत श्रीलंका को हरसंभव सहायता दी जाती रहेगी।

श्रीलंका में भारत ने बनवाया 120 फीट लंबा बेली ब्रिज

भारत ने श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फीट लंबा ड्यूल कैरिजवे बेली ब्रिज स्थापित किया है। इस पुल का उद्घाटन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायके और विदेश मंत्री विजिता हेराथ के साथ किया।

यह इलाका हाल ही में आए चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। जयशंकर ने बताया कि 110 टन वजनी इस बेली ब्रिज को भारत से हवाई मार्ग के जरिए लाया गया और ऑपरेशन सागर बंधु के तहत स्थापित किया गया।

बॉन्डी बीच गोलीबारी के बाद ऑस्ट्रेलिया में बंदूक लाइसेंस नियम सख्त करने की तैयारी

सियोल। ऑस्ट्रेलिया में बीते दिनों बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी के बाद बंदूक लाइसेंस के नियम कड़े करने की तैयारी हो रही है। आरोपी नवीद पर कट्टरपंथियों से संबंध रखने का जांच एजेंसियों को शक था, इसके बावजूद नवीद के पिता को बंदूकों को छह लाइसेंस देने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी के आरोपी साजिद अकरम को बंदूक का लाइसेंस लेने के लिए कई वर्षों का इंतजार करना पड़ा था। पहले दावा किया जा रहा था कि साजिद अकरम और उसके बेटे नवीद अकरम पर सुरक्षा एजेंसियों को शक था, इसके चलते बंदूक का लाइसेंस मिलने में देरी हुई। हालांकि अब न्यू साउथ वेल्स के प्रधानमंत्री क्रिस मिन्स ने साफ किया है कि शक के चलते नहीं बल्कि प्रशासनिक गड़बड़ी के चलते साजिद अकरम को लाइसेंस मिलने में देरी हुई थी।

साजिद को कई साल बाद मिला बंदूक का लाइसेंस

साजिद अकरम को पुलिस ने बॉन्डी बीच की घटना के समय ही ढेर कर दिया था, जबकि उसका 24 साल का बेटा नवीद अकरम घायल है। दोनों ने 14 दिसंबर को बॉन्डी बीच पर हनुक्का पर्व मना रहे यहूदियों पर गोलीबारी की थी, जिसमें 16 लोग मारे गए थे। यह ऑस्ट्रेलिया के इतिहास की सबसे खूनी घटनाओं में से एक है। जांच में पता चला है कि साजिद अकरम के पास छह राइफलों और एक शॉटगन का लाइसेंस था। साजिद ने साल 2000 में बंदूक लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। आमतौर पर इसमें छह से 8 हफ्तों का समय लगता है, लेकिन साजिद को तीन साल पहले ही लाइसेंस मिला था।

दरअसल नवीद अकरम के कट्टरपंथियों से संबंधों की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा साल 2019 में जांच की गई थी।

बंदूक के लाइसेंस देने के नियम सख्त करने की तैयारी

बॉन्डी बीच की घटना के बाद ऑस्ट्रेलिया में बंदूक के लाइसेंस देने के नियम कड़े करने की तैयारी है। न्यू साउथ वेल्स की संसद में जल्द ही इस संबंध में कानून पारित हो सकता है। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने स्ट्रेट पुल मैकेनिज्म वाली बंदूकों का इस्तेमाल किया, जिससे वे तेजी से फायरिंग कर सके। नए कानून के तहत साजिद जैसे लोगों को स्ट्रेट पुल मैकेनिज्म वाली बंदूकों का लाइसेंस नहीं मिल सकेगा। नए नियमों के तहत सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के नागरिकों को ही बंदूक का लाइसेंस मिलेगा और साजिद अकरम जैसे लोग बंदूक नहीं ले सकेंगे। बता दें कि साजिद के पास ऑस्ट्रेलिया में रहने का परमानेंट रेजीडेंट वीजा था। साथ ही संदिग्ध लोगों और जिन पर जांच एजेंसियों को शक है, उन्हें भी बंदूक का लाइसेंस नहीं मिल सकेगा। ऑस्ट्रेलिया में अभी कोई व्यक्ति कितने भी लाइसेंस ले सकता है। एक व्यक्ति के नाम पर तो 298 बंदूके पंजीकृत हैं। अब नए कानून के तहत कोई व्यक्ति अधिकतम चार बंदूकों का ही लाइसेंस ले सकेगा। हालांकि निशानेबाजों और किसानों को अधिकतम 10 बंदूकों का लाइसेंस मिल सकेगा।

ट्रंप बोले- सरकार की उपलब्धियों से ध्यान हटाने को उछाला गया एपस्टीन विवाद

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जो लोग जेफ्री एपस्टीन के दोस्त थे और उसकी पार्टियों में शामिल हुए, अब उन्हें भी बदनाम किया जा रहा है। ट्रंप ने ये भी कहा कि उनकी सरकार की उपलब्धियों से ध्यान हटाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का विवाद पैदा किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एपस्टीन फाइल्स विवाद को लेकर कहा कि जो लोग जेफ्री एपस्टीन से पूर्व में मिले और बेकसूर थे, अब जब उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं तो उन्हें भी बदनाम किया जा रहा है। ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिकी न्याय विभाग ने बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। जिनमें बड़े-बड़े उद्योगपतियों, राजनेताओं और फिल्मी सितारों की भी तस्वीरें शामिल हैं।

ट्रंप बोले- मुझे बिल क्लिंटन की तस्वीरों को देखकर दुख हो रहा है

फ्लोरिडा स्थित अपने रिजॉर्ट मार ए लागो में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन विवाद उनकी सरकार की शानदार उपलब्धियों से ध्यान हटाने के लिए खड़ा किया गया है। एपस्टीन फाइल्स की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की कई तस्वीरें हैं। जब इसे लेकर ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे बिल क्लिंटन पसंद हैं। मुझे बिल क्लिंटन की इन तस्वीरों को देखकर दुख हो रहा है। वहां मेरी भी तस्वीरें हैं क्योंकि हम सभी इस व्यक्ति (एपस्टीन) से काफी घुले-मिले हुए थे।'

नया आधुनिक युद्धपोत बनाने का एलान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना के लिए एक नए और बड़े युद्धपोत के निर्माण की योजना का भी एलान किया।

यह योजना उनके उस विचार का हिस्सा है, जिसके तहत वह एक गोल्डन फ्लीट बनाना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, ये सबसे तेज, सबसे बड़े और अब तक बने किसी भी युद्धपोत से सौ गुना ज्यादा ताकतवर होंगे। ट्रंप के मुताबिक यह जहाज द्वितीय विश्व युद्ध के दौर के आयोवा-श्रेणी के युद्धपोत से ज्यादा लंबा और बड़ा होगा। इसमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, रेल गन और हाई-पावर लेजर लगाए जाएंगे, जो सभी ऐसी तकनीकें हैं जिन पर नौसेना अभी काम कर रही है।

जापान के पूर्व सम्राट अकिहितो ने मनाया 92वां जन्मदिन, स्वास्थ्य स्थिर

जापान। जापान के पूर्व सम्राट अकिहितो ने मंगलवार को अपना 92वां जन्मदिन मनाया। इसके साथ ही महल की ओर से जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि उनकी हृदय स्थिति स्थिर है। जापान के पूर्व सम्राट अकिहितो ने मंगलवार को अपना 92वां जन्मदिन मनाया। वहीं, महल के अधिकारियों ने बताया कि इस साल की शुरूआत में उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थी, हालांकि अभी उनकी हृदय स्थिति स्थिर है। शाही परिवार एजेंसी ने एक बयान में कहा कि सम्राट नारुहितो के पिता अकिहितो को मई में हृदय की मांसपेशियों में अपर्याप्त रक्त प्रवाह की समस्या का पता चला था, लेकिन जुलाई में नई दवा शुरू करने के बाद से उनकी स्थिति स्थिर है।

जापान के युद्धकालीन अतीत के लिए प्रायश्चित करने के प्रयासों के लिए जाने जाने वाले अकिहितो ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस वर्ष बार-बार इसके पीड़ितों और कठिनाइयों का सामना करने वाले जीवित बचे लोगों के लिए प्रार्थना की। आईएचए ने कहा कि अकिहितो और उनकी पत्नी, महारानी एमेरिटा मिचिको ने 80 साल पहले युद्ध की चार महत्वपूर्ण तिथियों पर मौन रखा था - ओकिनावा की लड़ाई का अंत, हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी और जापान के आत्मसमर्पण का दिन।

उन्होंने कहा है कि उनके पिता हिरोहितो के नाम पर लड़ा गया युद्ध भुलाया नहीं जाना चाहिए।

परिवार के साथ मनाने वाले है जन्मदिन

एजेंसी ने बताया कि उन्हें अभी भी गोबी मछली पर वैज्ञानिक शोध करना पसंद है, यह उनका करियर का वह काम है जिसमें उन्होंने 10 नई प्रजातियों की खोज की थी, और वह सप्ताह में दो बार महल परिसर में स्थित एक जीव विज्ञान प्रयोगशाला का दौरा करते हैं। अकिहितो, जिन्होंने 2019 में अपने पदत्याग के बाद से सम्राट एमेरिटस की उपाधि धारण की है, अपने परिवार के साथ अपना जन्मदिन मनाने और जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची सहित मेहमानों का स्वागत करने वाले थे।

पाकिस्तान में आतंक का कहर: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस वाहन पर टीटीपी का हमला, पांच पुलिसकर्मी शहीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में टीटीपी के हमले लगातार जारी हैं। ताजा हमले में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पुलिस के वाहन पर हमला कर पांच पुलिसकर्मियों की जान ले ली। हमले के बाद इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तान में एक बार आतंकियों ने घात लगाकर सुरक्षाबलों पर हमला किया। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी मारे गए हैं। घटना पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा राज्य की है, जहां मंगलवार को अज्ञात हमलावरों ने एक पुलिस की गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें वैन सवार पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई।

रूटीन पेट्रोलिंग पर थे पुलिसकर्मी

स्थानीय पुलिस ने बताया कि हमला खैबर पख्तूनख्वा जिले के करक जिले में हुई, जहां पुलिसकर्मी रुटीन पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने पुलिस के वाहन पर हमला कर दिया, जिसमें पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। हमले के बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही हमलावरों की तलाश के लिए भी अभियान शुरू कर दिया गया है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घटना की निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। सोहेल अफरीदी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था बरकरार रखना उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कायराना हमले सुरक्षाबलों और सरकार के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। पाकिस्तानी सरकार का कहना है कि उनके सुरक्षाबलों पर हमले कट्टरपंथी संगठन टीटीपी द्वारा किए जा रहे हैं। खासकर अफगानिस्तान से लगती सीमा पर टीटीपी के हमले लगातार हो रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग पर अमेरिकी सांसदों की कड़ी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग पर अमेरिकी सांसदों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी नेताओं ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बहाल करने की मांग की। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की कथित मॉब लिंचिंग को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। अमेरिका के सांसदों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए बांग्लादेश सरकार से धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून का राज बहाल करने की मांग की है। इलिनॉय से डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या को लक्षित हिंसा करार देते हुए कहा कि यह घटना देश में बढ़ती अस्थिरता और अशांति का संकेत है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ पारदर्शी जांच और सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है। कृष्णमूर्ति ने अपने बयान में कहा मैं बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग से बेहद आहत हूं।

दक्षिण कोरिया में विद्रोह और राजद्रोह मामलों के लिए विशेष अदालतों का कानून पारित

सिओल। दक्षिण कोरिया की संसद ने विद्रोह, राजद्रोह और विदेशी षड्यंत्र से जुड़े मामलों के लिए विशेष अदालतें गठित करने का कानून पारित किया। दक्षिण कोरिया की संसद ने विद्रोह, राजद्रोह और विदेशी साजिश से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें गठित करने से संबंधित विधेयक को पारित कर दिया है। यह फैसला उस समय लिया गया है, जब जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ चल रहे विद्रोह मामले की सुनवाई में देरी को लेकर सरकार पर सवाल उठ रहे थे। इस कानून के तहत सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट और सियोल हाई कोर्ट में ऐसे मामलों के लिए कम से कम दो विशेष पीठों का गठन किया जाएगा। हर पीठ में तीन न्यायाधीश होंगे, जिनका चयन संबंधित अदालत की जज काउंसिल करेगी।

सरकार और विपक्ष के बीच टकराव

यह विधेयक 175-2 के भारी बहुमत से पारित हुआ, जबकि कई कंजरवेटिव सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया। विपक्षी पीपल पावर पार्टी ने इसे न्यायिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करार दिया और ली जे म्युंग से कानून को वीटो करने की मांग की। पीपीपी नेता जांग डोंग-ह्युक ने संसद में 24 घंटे का फाइलबस्टर भी किया और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी अदालतों पर दबाव बना रही है।

यून सुक योल केस से क्यों जुड़ा है कानून

पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू कर सत्ता बनाए रखने की कोशिश की थी। हालांकि कुछ ही घंटों में उनका प्रयास विफल हो गया। अप्रैल में उन्हें पद से हटा दिया गया और जुलाई में दोबारा गिरफ्तार किया गया। उन पर विद्रोह, सत्ता पलटने की साजिश और संविधान के उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप हैं, जिनमें उम्रकैद या मौत की सजा तक का प्रावधान है। हालांकि नए कानून का असर यून के मौजूदा ट्रायल पर नहीं पड़ेगा, लेकिन अगर मामला हाई कोर्ट पहुंचता है, तो वहां सुनवाई विशेष पीठ करेगी।

न्यायपालिका की भूमिका पर बहस

डेमोक्रेटिक पार्टी ने यून के केस की सुनवाई कर रहे जज पर कार्यवाही में देरी का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि इतने संवेदनशील मामलों में जजों की रैंडम नियुक्ति की पुरानी परंपरा पर पुनर्विचार होना चाहिए। वहीं, न्यायपालिका समर्थकों का मानना है कि नया कानून अदालतों की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है।

इमरान खान की सजा के बाद शहबाज सरकार का पीटीआई को बातचीत का न्योता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीटीआई से संवाद का प्रस्ताव दिया है। यह पहल इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा मिलने के बाद आई है। सरकार ने साफ किया है कि बातचीत वैध मुद्दों पर ही होगी।

पाकिस्तान में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विपक्ष की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बातचीत का प्रस्ताव देकर नई सियासी बहस छेड़ दी है। यह पेशकश ऐसे समय आई है, जब पीटीआई के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 17-17 साल की सजा सुनाई गई है और देश में विरोध-प्रदर्शन की आशंका जताई जा रही है।

इस्लामाबाद में संघीय कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अगर पीटीआई गंभीरता से संवाद चाहती है तो सरकार भी बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने साफ किया कि बातचीत केवल वैध मुद्दों पर होनी चाहिए और इसमें किसी तरह की धमकी या दबाव की राजनीति नहीं होनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने जोर देकर कहा कि देश के विकास और स्थिरता के लिए सभी राजनीतिक दलों के बीच सामंजस्य जरूरी है।

विपक्ष की ओर से भी संकेत : प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने भी संवाद के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही थी। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच बातचीत को लेकर अभी तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। इससे पहले दिसंबर में शुरू हुई वार्ता कई मुद्दों पर अटक गई थी।

उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में उफान पर भारत विरोधी माहौल, कट्टरपंथी साजिश की आशंका गहराई

ढाका। उस्मान हादी की हत्या के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं प्रबल हैं और हिंसा का दौर जारी है। हादी की हत्या का आरोप अवामी लीग के नेता पर लग रहा है, लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस पूरे मामले में असल में एक बड़ी साजिश हो सकती है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से वहां भारत विरोधी भावना उफान पर है।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी उस्मान हादी को लेकर भारत पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही उनका कहना है कि हादी की हत्या का आरोपी फैसल करीम भी भारत में छिपा हुआ है। हालांकि बांग्लादेश की सरकार ही कह रही है कि फैसल करीम के भारत भागने के कोई सबूत नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उस्मान हादी की हत्या बांग्लादेश में इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनी हुई है और इससे किसे फायदा है

कट्टरपंथियों की साजिश की आशंका : बांग्लादेश की भू-राजनीति के जानकार और इस वक्त पेरिस में रह रहे नाहिद हेलाल ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया है कि उस्मान हादी की हत्या से शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग या खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी को नहीं बल्कि जमात ए इस्लामी और बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात को फायदा हो सकता है। नाहिद ने लिखा, 'उस्मान हादी की हत्या के बाद से जो हो रहा है, यही जमात ए इस्लामी के नेता और कट्टरपंथी वर्ग चाहता था। इससे कट्टरपंथियों को अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने, मीडिया संस्थानों को डराने और अवामी लीग के कार्यकताओं की हत्या और सबसे अहम बात चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने का मौका मिल गया है।'

जमात ए इस्लामी को चुनाव में मिल सकता है फायदा

उस्मान हादी की हत्या का राजनीतिक कोण एक ये भी है कि उस्मान हादी भारत विरोधी बयानबाजी के चलते कट्टरपंथियों के बीच चर्चित था। साथ ही वह ढाका-8 सीट से आगामी चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ने वाला था। ढाका-8 बांग्लादेश की अहम संसदीय सीट मानी जाती है, जिसके क्षेत्र में ही ढाका यूनिवर्सिटी और संसद भवन आते हैं। यहां से बीएनपी नेता मिर्जा अब्बास और जमात ए इस्लामी की पार्टी छात्र शिबिर के नेता मोहम्मद अबु सादिक भी उम्मीदवार हैं। मिर्जा अब्बास एक बड़ा नाम है और जीत के दावेदार हैं। अब उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह से माहौल बना है, उससे जमात के नेता मोहम्मद अबु सादिक को फायदा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश की हिंसा पर जताई चिंता : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में हिंसा पर चिंता जताई है, जिसमें देश में एक हिंदू व्यक्ति की लिंचिंग की बर्बर घटना भी शामिल है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को डेली प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'हां, हम बांग्लादेश में हुई हिंसा को लेकर बहुत चिंतित हैं।

यरुशलम शिखर सम्मेलन: साइप्रस, ग्रीस और इस्राइल ने क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच सुरक्षा-ऊर्जा सहयोग मजबूत करने का संकल्प लिया

यरुशलम। यरुशलम शिखर सम्मेलन में साइप्रस, ग्रीस और इस्राइल ने बढ़ती क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच एकजुट होकर सुरक्षा, ऊर्जा और कनेक्टिविटी में सहयोग मजबूत करने का संकल्प लिया। नेताओं ने ग्रेट सी इंटरकनेक्टर को क्टएउ से जोड़ने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इसे अब तक की सबसे अहम बैठक बताया और कहा कि आतंकवाद व आक्रामकता के दौर में सहयोग अनिवार्य है।

पश्चिम एशिया और पूर्वी भूमध्यसागर में बढ़ती अस्थिरता के बीच साइप्रस, ग्रीस और इस्राइल ने यरुशलम शिखर सम्मेलन में एकजुटता दिखाई। तीनों देशों ने सुरक्षा, ऊर्जा और कनेक्टिविटी में सहयोग गहरा करने और क्षेत्रीय शांति व समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। तीनों देशों के नेताओं ने साफ किया कि क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद वे आपसी सहयोग को न सिर्फ जारी रखेंगे, बल्कि और मजबूत भी करेंगे।

शिखर सम्मेलन को लेकर क्या बोले नेतन्याहू : शिखर सम्मेलन को लेकर संयुक्त प्रेस वार्ता में इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह तीनों देशों की दसवीं बैठक थी, लेकिन उनके लिए यह अब तक की सबसे अहम बैठक है। उन्होंने कहा कि पिछली मुलाकात 7 अक्टूबर की घटना से कुछ समय पहले हुई थी, जिसने यह याद दिलाया कि इस क्षेत्र में स्थिरता हमेशा बनी रहे, यह जरूरी नहीं है। नेतन्याहू ने कहा कि पश्चिम एशिया और पूर्वी भूमध्यसागर आज आक्रामकता, आतंकवाद और अस्थिरता की परीक्षा से गुजर रहे हैं।

तीनों देशों के सहयोग से खुलेंगे नए अवसर

इस दौरान नेतन्याहू ने इस बात पर भी जोर दिया कि तीनों देशों का सहयोग न केवल सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि समृद्धि के नए अवसर भी पैदा करता है। ऊर्जा, तकनीक, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में मिलकर काम किया जा रहा है।

साइप्रस के राष्ट्रपति ने क्या कहा?

वहीं इस शिखर सम्मेलन को लेकर साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडूलिडेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में तीनों देशों ने अपने गठबंधन की रणनीतिक अहमियत को दोबारा पुष्टि की है। यह गठबंधन साझा मूल्यों, आपसी हितों और समान लक्ष्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग क्षेत्रीय एकीकरण, स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि की दिशा में काम कर रहा है।

गाजा की स्थिति पर भी बोले निकोस क्रिस्टोडूलिडेस

निकोस ने गाजा की स्थिति को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि साइप्रस राष्ट्रपति ट्रंप की 20-बिंदुओं वाली योजना और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के पूर्ण क्रियान्वयन का समर्थन करता है। उन्होंने मानवीय सहायता में साइप्रस की भूमिका पर भी जोर दिया।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

10 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास, महापौर बोलीं–शहर में हर ओर विकास की लहर

कविनगर, मोहन नगर और वसुंधरा जोन में 9 परियोजनाओं की शुरुआत, पार्षदों व जनता में उत्साह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए महापौर सुनीता दयाल ने कविनगर जोन, मोहन नगर जोन और वसुंधरा जोन में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले 9 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। नाली, सड़क, सौंदर्यकरण और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़े इन कार्यों के शुरू होते ही स्थानीय पार्षदों और नागरिकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। महापौर ने कहा कि शहर के हर कोने तक विकास पहुंचाना नगर निगम की प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम द्वारा शहर में लगभग 700 करोड़ रुपये के विकास कार्य विभिन्न चरणों में चल रहे हैं, जिनका नेतृत्व नगर आयुक्त और निगम के अधिकारी कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि कूड़ा केवल कूड़ा गाड़ी में ही डालें। यदि किसी दिन गाड़ी न आए तो कूड़ा बांधकर रखें, नालों या खुले स्थानों पर कूड़ा डालने पर संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा और कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने कहा कि यह विकास प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन का परिणाम है और लक्ष्य यह है कि शहर की कोई गली विकास से अछूती न रहे। उन्होंने जनता से शहर को साफ, सुंदर और विकसित बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पार्षद राज कुमार नगर, मंडल अध्यक्ष वरुण नागर, पार्षद सचिन डागर, रामनिवास बंसल, रवि भाटी, कालीचरण पहलवान, पूर्व पार्षद सरदार सिंह भाटी, पार्षद प्रतिमा शर्मा, नीलम भारद्वाज, सचिन सोनी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

महापौर के सख्त निर्देश

- निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए
- मानक सामग्री का ही प्रयोग हो
- किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं
- खुले में कूड़ा डालने वालों पर कार्रवाई तय

किन कार्यों का हुआ शिलान्यास

- वसुंधरा जोन (वार्ड 36) अटल चौक से जयपुरिया स्कूल होते हुए डबल रोड पर आरसीसी नाला (70 लाख रुपए)
- वार्ड 37 – छत्रपति शिवाजी से शमशान घाट तक दोनों ओर आरसीसी नाला (1.95 करोड़ रुपए)
- वार्ड 65, विवेकानंद नगर – सामुदायिक केंद्र की बाउंड्री व इंटरलॉकिंग टाइल्स (85 लाख रुपए)
- वार्ड 70, रामनगर/जनकपुरी – आरसीसी नाली व सीसी सड़क/गली निर्माण (30 लाख रुपए + 29 लाख रुपए)
- वार्ड 77, वैशाली –आरसीसी नाला निर्माण (1 करोड़ रुपए)
- सेंट्रल वर्ज – ठाकुरद्वारा से जीएसटी भवन, हापुड़ चुंगी तक सौंदर्यकरण (3.60 करोड़ रुपए)
- वार्ड 70, जनकपुरी – रामनगर क्षेत्र – सड़क निर्माण (1.13 करोड़ रुपए)
- वार्ड 60 – जीटी रोड–साहिबाबाद स्टेशन रोड पर आरसीसी नाला (1.12 करोड़ रुपए)

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमारे भगवा योद्धा की हमें अच्छी लगती है एक बात? वो फायदे से ज्यादा करते हैं कायदे की बात? कुछ ऐसे ही हमने देखे बृज वाले एरिया में उनके अंदाज? जब यहां के भगवा कमिश्नर ने उनको अपनी दुकान पर आमंत्रित किया? तब वो इस आमंत्रण को स्वीकार करके कार्यकर्ताओं के साथ गये उनके पास? भगवा कमिश्नर ने मौके पर डाली हुई थी सिर्फ एक ही चेयर? ये मामला योद्धा को नहीं लगा फेयर? उन्होंने कहा इस बात पर आपको देना चाहिए ध्यान? अध्यक्ष से पहले होना चाहिए कार्यकर्ता का सम्मान?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष से चल रही थी मावी ब्रदर की बात? बात में जिक्र पंचायत चुनाव का था? महावत कह रहे थे आप तीन सीटों में से एक चुनाव जीत जाते अगर मौके पर आ गये होते हमारे पास? हमने तो आपको मामला ऑफर किया था श्रीमान? मगर आपने हमारी बात पर नहीं दिया ध्यान? तब सामने से आवाज आई? निर्दलीय होकर हम नुकसान उठाने के लिए तैयार थे? मगर भगवा को छोड़कर किसी भी दल से चुनाव लड़ने का हमारा नहीं था प्लान?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हाथ वाले पूर्व अध्यक्ष भारद्वाज जी उदाहरण ही उदाहरण में कर देते हैं तोड़? कुछ ऐसा ही उन्होंने अपने शब्दों का डाला एक समाजिक कार्यक्रम में मोड़? उन्होंने कराया भगवा मैम्बर शर्मा के समर्थक को एहसास? जो बदल जाते हैं? उसे हम पांच साल बाद बदल देते हैं? कुछ ऐसा ही है अपना अंदाज? सुना है हाथ वाले शर्मा मैम्बर ने डॉली दीदी के चुनाव में नहीं दिया था भारद्वाज जी का साथ?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** धरना देने के दिखाई दे रहे हैं अभी भी भगवा सौलंकी पर साईड इफैक्ट? वो कर रहे हैं अपनी बातों को मौके पर रिएक्ट? कह रहे हैं जो हुआ है हाल ही में 350 करोड़ का बजट जारी? उसने कर दिया है हमारा दिल भारी? आज भी हमारे मौहल्ले में गड्ढे भरे पड़े हैं? उनको भरने की नहीं उठा रहा कोई भी जिम्मेदारी? क्या फायदा हुआ इतने लंबे चौड़े बजट का? जिससे नहीं संवर रही है मौहल्ले की तकदीर हमारी?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इस बार फिर उठ गया था किसान वाले भारद्वाज जी के सामने कौन है बेहतर अध्यक्ष, इस बात पर सवाल? सवाल वर्तमान और निवर्तमान वालों को लेकर पूछा गया था बहुत ही कमाल? मगर इस बार भगवा भारद्वाज ने रखा बहुत ही ख्याल? सिल लिये उन्होंने अपने होंठ? वो समझ चुके थे मुंह से एक भी शब्द निकला तो पड़ जायेगी चोट? इसलिए वो इस सवाल को सुनकर आधे घंटे तक रहे खामोश?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम आपको बता रहे हैं भगवागढ़ के एक बड़े स्थानीय जाट नेता के दिल के जज्बात? वो गर्ग साहब से बेइंतेहा मोहब्बत करते हैं साहब? जब भी वो कहीं पर होते हैं तो बस करते हैं गर्ग साहब का जिक्र? कुछ ज्यादा ही दिखाते हैं अपने शब्दों से उनकी फिक्र? इन ज्यादा वाले शब्दों को आप हल्के में मत लेना? बेइंतेहा मोहब्बत का अंजाम कैसा होता है? इस बारे में हर कोई जानता है? अब इससे ज्यादा हमको कुछ नहीं कहना?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब पड़े ताकतवर मैडम के बजरंगी भैया डागर के यहां पर कदम? तब देखते ही बन रही थी इनकी मुस्कुराहट? ऐसा लग रहा था जैसे इनके पुराने जख्मों पर लगा दिया है किसी ने मरहम? कुछ राहत भरा फेस इनका दिख रहा था साहब? शायद अब ये भुला पायेंगे कटने और कटाने वाला दर्द? वैसे भी जो मर्द होता है उसको नहीं होता है दर्द?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा आरडी पार्टी से ज्यादा संबंधों को देते हैं ज्यादा भाव? जिससे है उससे रखते हैं वो अपना 100परसेंट लगाव? ये समझ लो कि अगर पूर्व विधायक विपक्ष दल से चुनाव लड़े तो करेंगे उन्हीं का सपोर्ट? इस बात को मैंने देर रात सोशल मीडिया पर किया नोट? उन्होंने सबसे पहले डाली पूर्व विधायक के गैंगेस्टर वाले आरोप से मुक्त होने की जानकारी? ऐसा वो ही करता है जिसके अंदर सामने वालों को लेकर मोहब्बत भरी हुई हो ढेर सारी?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मुराद पूरी करने वाले बड़े दिल के विधायक अक्सर रेड फेस मैन को लखनऊ लेकर जाते हैं अपने साथ? ये सिलसिला लगातार 8 वर्षों से चल रहा है? हमने किया है इस बात का एहसास? अब तो हम इंतजार इस बात का कर रहे हैं कि क्या 9वें वर्ष में विधायक जी अपने प्रिय लाल चेहरे वाले का मजबूत करा पायेंगे कोई मजबूत जिम्मेदारी दिलाकर उनका फेस? या फिर जैसा 8 वर्षों से चल रहा है वैसा ही चलता रहेगा ये वाला केस?

▶▶ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** आप हमारा करोगे विश्वास? विभु भैया को मिलेगा भविष्य में जरूर कवि महोदय की कृपा से आशीर्वाद? वो छोटी–छोटी बातों का रख रहे हैं ध्यान? बर्थडे से लेकर शादी की सालगिरह तक वो नहीं भूल रहे हैं श्रीमान? कहने वाले ने कहा बस उनकी यही अदा करेगी उनका बेड़ा पार? वैसे भी हाल ही में वो एक सफल कार्यक्रम सम्पन्न कराकर कर चुके हैं अपने इरादों का इजहार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर भाजपा महानगर गाजियाबाद ने किया श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण

मेरठ रोड-मोड़ स्थित प्रतिमा स्थल पर आयोजन, मयंक गोयल के नेतृत्व में गुड़-गन्ना वितरण

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, गाज़ियाबाद महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में मंगलवार को मेरठ रोड-मोड़ स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई एवं पुष्प सज्जा की गई। इसके बाद पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर चौधरी चरण सिंह के विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। माल्यार्पण के उपरांत भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आम नागरिकों में गुड़ एवं गन्ना वितरित कर किसानों की खुशहाली की कामना की गई।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व अध्यक्ष अमर दत्त शर्मा, महामंत्री राजेश त्यागी, मंत्री गुंजन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पूर्व अध्यक्ष गौरव चोपड़ा, किसान मोर्चा अध्यक्ष पंकज भारद्वाज, युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन डेढ़ा, अनीता शर्मा, प्रीति चंद्रा, संदीप चौधरी, मनबीर चौधरी, प्रमोद चौधरी, सुभाष चौधरी, मनोज चौधरी, विक्रम चौधरी, विनीत चौधरी, बलराम रावल, अमित रंजन, ऋचा भदौरिया, मधुकर त्यागी, राहुल गोयल, हेमंत कुमार, गजेंद्र सिंह, राम त्यागी, आशीष चौधरी, राजू पंचाल सहित अनेक नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान, गांव और गरीब को राजनीति का केंद्र बनाने वाले नेता थे चौधरी चरण सिंह : मयंक गोयल

करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों को राजनीति की मुख्य धारा में स्थापित किया। उनका जीवन सामाजिक न्याय और जनसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को दिशा देने वाले हैं।

ग्रामीण भारत की आवाज को राष्ट्रीय पहचान दिलाई : आशु वर्मा

करंट क्राइम। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों और ग्रामीण भारत की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया। उनकी नीतियों ने कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ किया और किसान वर्ग को सम्मान दिलाया।

राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय पर चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय, मेरठ रोड गाज़ियाबाद में किसानों के मसीहा, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हवन का आयोजन कर चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनकी किसान हितैषी नीतियों को स्मरण किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश आयोजन जिला एवं महानगर कमेटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ इंद्रजीत सिंह टीटू (सदस्य अर्बन कमेटी उत्तर प्रदेश), राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी तेजपाल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब अली, प्रदेश महासचिव रविंदर चौहान, प्रदेश सचिव ओडी त्यागी, पूर्व मेयर आशु वर्मा, अजय पाल प्रमुख, जिला महासचिव प्रदीप त्यागी, युवा महानगर अध्यक्ष तुषार कौशिक, युवा जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह, राजेंद्र चंदेल, संजीव अरोड़ा, दिनेश शर्मा, कृष्णपाल डायरेक्टर, राहुल खानपुर, अरुण शर्मा, नीरज चौधरी, तरुण चौधरी, मनोज राठी, अरुण दहिया, वीर सिंह सलेमाबाद, योगेश चौधरी, जान मोहम्मद, सुशील शर्मा, नीरज पवार, राखी सिंधु, ऋषि उपाध्याय, श्वेता गुप्ता, बबीता अरोड़ा, जाकिर चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन चौधरी चरण सिंह के आदर्शों पर चलने और किसान हितों के लिए संघर्ष को और मजबूत करने के संकल्प के साथ किया गया।

श्रद्धा सुमन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत रत्न पूर्व प्रधामंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती पर पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। मेरठ रोड तिराहे पर स्थित चौधरी चरण सिंह प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी ने कहा कि वे वास्तव में किसानों के मसीहा थे और उन्होंने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तथा समाजवादी नेता नाहर सिंह यादव ने भी स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। नाहर सिंह यादव ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह वास्तव में किसानों और मजदूरों के कल्याण की सोच को अपने राजनीतिक चिंतन में हमेशा सर्वोपरि रखते थे।

संभव में जनता की सीधी सुनवाई, नगर आयुक्त ने मौके पर दिए त्वरित समाधान के निर्देश

10 शिकायतें दर्ज, निर्माण-जलकल से जुड़े मामलों पर तुरंत एक्शन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जन समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित संभव जनसुनवाई में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ आमजन की समस्याएं सीधे सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 10 संदर्भ प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले निर्माण और जलकल विभाग से जुड़े रहे। नगर आयुक्त ने सभी मामलों पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विभागवार प्राप्त हुए संदर्भ

निर्माण विभाग	3
जलकल विभाग	3
स्वास्थ्य विभाग	2
टैक्स विभाग	1
अन्य विभाग	1

कहां से क्या शिकायत आई

- गोविंदपुरम – नाली निर्माण
- लाल कुआं – नालियों की सफाई
- महाराजपुर, साहिबाबाद – पेयजल आपूर्ति
- भोपुरा – सड़क निर्माण
- पटेल नगर – श्वान (कुत्तों) से संबंधित समस्या

इन सभी मामलों में संबंधित विभागों द्वारा मौके पर टीम भेजकर कार्यवाही प्रारंभ करा दी गई।

अधिकारियों को साफ निर्देश

करंट क्राइम। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि संभव में प्राप्त हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही या ढिलाई सामने आने पर जवाबदेही तय की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने दोहराया कि संभव केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता को राहत देने का प्रभावी मंच है, और इसमें आई समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा।

सीकरी कलां के यथार्थ त्यागी की क्लैट प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 219

गाजियाबाद जनपद का किया नाम रोशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ग्राम सीकरी कलां, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद के मूल निवासी लेफ्टिनेंट कर्नल धीरज कुमार त्यागी के पुत्र यथार्थ त्यागी ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट क्लैट प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 219 प्राप्त कर अपने जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। संस्कृति स्कूल, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली के 12 वीं के छात्र यथार्थ त्यागी को आगे की पढाई के लिए नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कोलकाता में प्रवेश मिला है। अजब संयोग है कि उसका जन्म भी पश्चिम बंगाल के सेना छावनी पनाहगढ़, जिला दुर्गापुर में हुआ था जब उसके पिता की पोस्टिंग वहां थी।

यथार्थ त्यागी के ताऊजी नीरज त्यागी (वसुंधरा) ने बताया कि यथार्थ उनका ही नहीं परिवार का सबसे लाड़ला सदस्य है क्योंकि वो बचपन से पढाई में होनहार है। यथार्थ शुरू से वह वकील बनना चाहता था।

उसके साथ एक संयोग ये भी हुआ है कि उसकी आल इंडिया रैंक 219 आयी है जबकि उसकी जन्म तिथि भी फरवरी 19 यानि 219 है। कानून की पढाई अच्छे कॉलिज और यूनिवर्सिटी से करने के लिए क्लैट प्रवेश परीक्षा 2026 की तैयारी निशांत प्रकाश लॉ क्लास नई दिल्ली नामक कोचिंग संस्थान में की और संस्थान के जिन छात्रों का नंबर प्रवेश के लिए आया है उन शीर्ष 5 स्थान में यथार्थ शामिल है। संस्कृति स्कूल में उसका पहला स्थान है। यह परीक्षा कंसोर्टियम ऑफ एनएलयूएस द्वारा आयोजित होती है और इसमें इंग्लिश, करंट अफेयर्स, लीगल रीजनिंग, लॉजिकल रीजनिंग और क्वांटिटेटिव टेक्नीक्स जैसे विषयों से सवाल आते हैं, जिससे छात्रों की कानूनी क्षमता का मूल्यांकन होता है. नीरज त्यागी ने बताया की उनके पिता स्वर्गीय दिनेश सिंह त्यागी (प्रधानजी) का अपने पोते को वकालत की पढाई कराने का सपना था जो पूरा हुआ। यथार्थ की उपलब्धि पर परिवार में जश्न का माहौल है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।